सब का सपना

निष्पक्ष व निडर साप्ताहिक समाचार पत्र

वर्ष–02 अंक–02 अमरोहा उत्तर प्रदेश www.sabkasapna.com सोमवार ● 25 नवंबर से 01 दिसंबर 2024 पेज–08 मूल्य 5 रूपये

पेज–05

जरूर पढ़ें

महिला ने बेचने की कोशिश का भी लगाया आरोप

भागलपुर : बिहार के भागलपुर जिले में एक महिला ने आरोप लगाया है कि प्रेम विवाह के बाद जबरन उनका धर्म परिवर्तन करा उन्हें बेचन की साजिश रची गई। मूल रूप से नेपाल की महिला ने प्रेम विवाह के बाद धर्म परिवर्तन करवाने और बेचने का प्रयास करने का आरोप लगाते हुए हबीबपुर थाने में हबीबपुर निवासी पिता–पुत्र के खिलाफ आवेदन दिया है। महिला ने बताया कि हबीबपुर निवासी युवक ने उसके साथ प्रेम विवाह के बाद उसका धर्म परिवर्तन करवा दिया। शादी के बाद एक बच्चे होने पर उसे प्रताड़ित कर हैदराबाद में बेचने का प्रयास किया। किसी तरह वह जान बचा कर एक बच्चे के साथ भागलपुर पहुंची। महिला ने बुधवार को एसएसपी कार्यालय व हबीबपुर थाना में भी लिखित आवेदन दिया है।

नाबालिग लड़की का सालो तक रेप के बाद युवक की घिनौनी हरकत

प्रयागराज : आठवीं कक्षा में साथ पढ़ने वाले किशोर लंबे समय तक नाबालिग से यौन संबंध बनाता रहा है। इस दौरान आरोपी ने उसके अश्लील फोटो वीडियो अपने पास रख लिए। हाल में पीड़िता का रिश्ता हुआ तो शादी तुड़वाने के लिए मंगेतर को मैसेज कर रिश्ता तोड़ने की धमकी दी। आरोपी पर पटेलनगर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। युवती ने तहरीर में कहा कि वर्ष 2018 में जब वह आठवीं कक्षा में पढ़ती थी तो कक्षा में साथ पढ़ने वाले पटेलनगर के आरोपी ने फुसलाकर शारीरिक संबंध बनाए। वर्ष 2019 में पुलिस से शिकायत की। तब मामला शांत हो गया। कुछ समय बाद विशाल ने पीड़िता को धमकाकर शारीरिक संबंध बनाने शुरू कर दिए।

ईसाई महिला ने आरक्षण का लाभ लेने के लिए अपनाया हिंदू धर्म

कोर्ट ने मद्रास हाई कोर्ट के आदेश को बरकरार रखते हुए एक महिला को अनुसूचित जाति प्रमाण पत्र देने से इनकार कर दिया

नई दिल्ली, एजेंसियां

यदि कोई व्यक्ति केवल आरक्षण लाभ प्राप्त करने के लिए बिना किसी आस्था के धर्म परिवर्तन करता है तो यह आरक्षण की नीति की सामाजिक भावना के खिलाफ होगा। यह निर्णय मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने दिया है।

कोर्ट ने मद्रास हाई कोर्ट के आदेश को बरकरार रखते हुए एक महिला को अनुसूचित जाति प्रमाण पत्र देने से इनकार कर दिया। महिला ने यह प्रमाण पत्र एक उच्च श्रेणी के लिपिक पद की नौकरी पाने के लिए पुदुचेरी में प्राप्त करने के उद्देश्य से मांगा था। उसने दावा किया था कि वह हिंदू धर्म अपनाकर अनुसूचित जाति में शामिल हो चुकी है।

जस्टिस पंकज मिथल और आर महादेवन की पीठ ने इस मामले पर सुनवाई की। उन्होंने अपने फैसले में कहा, इस मामले में प्रस्तुत साक्ष्य से यह स्पष्ट होता है कि अपीलकर्ता ईसाई धर्म का पालन करती हैं और नियमित रूप से चर्च जाती हैं। इसके बावजूद, वह खुद को हिंदू बताती हैं और रोजगार के लिए अनुसूचित जाति प्रमाणपत्र की मांग करती हैं। उनका यह दोहरा दावा अस्वीकार्य है और वह बपतिस्मा लेने के बाद खुद को हिंदू के रूप में पहचान नहीं सकतीं। कोर्ट ने आगे कहा, इसलिए सिर्फ आरक्षण का लाभ लेने के लिए एक ईसाई धर्मावलंबी को अनुसूचित जाति का सामाजिक दर्जा देना संविधान की मूल भावना के खिलाफ होगा और इसे धोखाधड़ी माना जाएगा।कोर्ट ने कहा कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है और प्रत्येक नागरिक को संविधान के तहत अपने धर्म को मानने और पालन करने का अधिकार है। जस्टिस महादेवन ने फैसले में लिखा, यदि धर्म परिवर्तन का उद्देश्य आरक्षण के लाभ प्राप्त करना है, न कि किसी अन्य धर्म में विश्वास, तो इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता क्योंकि ऐसे व्यक्तियों को आरक्षण के लाभ देना समाजिक नीति की भावना के खिलाफ होगा।

> कोर्ट ने आगे कहा, इसलिए सिर्फ आरक्षण का लाभ लेने के लिए एक ईसाई धर्मावलंबी को अनुसूचित जाति का सामाजिक दर्जा देना संविधान की मूल भावना के खिलाफ होगा और इसे धोखाधड़ी माना जाएगा।कोर्ट ने कहा कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है और प्रत्येक नागरिक को संविधान के तहत अपने धर्म को मानने और पालन करने का अधिकार है। जस्टिस महादेवन ने फैसले में लिखा, यदि धर्म परिवर्तन का उद्देश्य आरक्षण के लाभ प्राप्त करना है, न कि किसी अन्य धर्म में विश्वास, तो इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता क्योंकि ऐसे व्यक्तियों को आरक्षण के लाभ देना समाजिक नीति की भावना के खिलाफ होगा।

इस मामले में अपीलकर्ता सी. सेलवरानी ने मद्रास हाईकोर्ट के 24 जनवरी, 2023 के आदेश को चुनौती दी थी। उनकी याचिका को खारिज कर दिया गया था। उन्होंने दावा किया था कि वह हिंदू धर्म का पालन करती है और वह वल्लुवन जाति से ताल्लुक रखती है, जो कि अनुसूचित जाति में आती है। महिला ने द्रविड़ कोटा के तहत आरक्षण का लाभ प्राप्त करने का हकदार बताया था।

कोर्ट ने महिला द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों और गवाहियों की समीक्षा की और पाया कि वह एक जन्मजात ईसाई हैं। इसके अलावा, कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि सेलवरानी और उनके परिवार ने वास्तव में हिंदू धर्म अपनाना चाहा था तो उन्हें कुछ ठोस कदम उठाने चाहिए थे। जैसे कि सार्वजनिक रूप से धर्म परिवर्तन की घोषणा करना चाहिए था।कोर्ट ने अपीलकर्ता के उस तर्क को भी खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि उसे बपतिस्मा तब दिया गया था जब वह तीन महीने से कम उम्र की थी। कोर्ट ने कहा कि यह तर्क विश्वसनीय नहीं है।

आईपीएस और दरोगा समेत 18 पुलिसकर्मियों पर एफआईआर

गाजीपुर, एजेंसियां

यूपी के गाजीपुर में हेड कांस्टेबल की शिकायत के बाद गाजीपुर में बड़ा ऐक्शन हुआ है। जिले की एक अदालत ने भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के एक अधिकारी और चार पुलिस निरीक्षकों समेत 18 पुलिसकर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया है। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज भी कर ली है। यह मामला बर्खास्त हेड कांस्टेबल अनिल सिंह के अपहरण से जुड़ा है जिसने कथित तौर पर चंदौली पुलिस विभाग के भीतर भ्रष्टाचार उजागर किया था। यह प्राथमिकी बुधवार को यहां स्थित नंदगंज थाने में दर्ज की गई।

आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, वाराणसी के भुल्लनपुर की शिव शंकर कॉलोनी में रहने वाले बर्खास्त हेड कांस्टेबल अनिल सिंह ने 2022 में दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा

156(3) के तहत एक आपराधिक शिकायत दर्ज कराई थी। सिंह का आरोप था कि चंदौली के पुलिस अधीक्षक समेत वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और चंदौली कोतवाली के अन्य पुलिसकर्मी हर महीने जनता से 12.5 लाख रुपये की उगाही कर रहे हैं और वे यह रकम आपस में बांटते हैं। इस दावे की जांच पुलिस उपमहानिरीक्षक (सतर्कता) लव कुमार द्वारा की गई जिसमें आरोप सही पाए गए। इस खुलासे से क्रोधित चंदौली के तत्कालीन पुलिस अधीक्षक ने 28 फरवरी 2021 को अनिल सिंह को बर्खास्त कर लिया। सिंह ने यह भी दावा किया कि भ्रष्टाचार उजागर करने वाले कई लोगों की हत्या कर दी गई है।सिंह ने पांच सितंबर 2021 को अपनी शिकायत में यह आरोप भी लगाया कि तत्कालीन पुलिस अधीक्षक अमित कुमार और 'स्वाट' टीम के निरीक्षक राजीव कुमार सिंह, सर्विलांस प्रभारी निरीक्षक अजित कुमार सिंह, थानेदार (एसएचओ) सत्येंद्र विक्रम सिंह सहित पुलिस अधिकारियों के एक समूह ने गाजीपुर के बधरा में उनके ससुराल से उनका अपहरण कर लिया। आरोप है कि ये अधिकारी उनकी हत्या करने के इरादे से बिना नंबर प्लेट वाली कार में सादे कपड़ों में वहां पहुंचे थे। हालांकि, सिंह की बेटी खुशबू सिंह ने किसी तरह पुलिस को संपर्क किया और नंदगंज थाने के एसएचओ को इसकी सूचना दी जिससे उनकी जान बच सकी। सिंह का दावा है कि दो दिनों तक अवैध रूप से हिरासत में रहने के बाद उन्हें एक फर्जी मामले में फंसाया गया और सात सितंबर 2021 को चंदौली के बबुरी थाने में एक फर्जी मामला दर्ज किया गया।

सिंह ने गाजीपुर में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष सीआरपीसी की धारा 156(3) के तहत आवेदन दाखिल किया और साक्ष्य पर गौर करने के बाद अदालत ने 21 सितंबर 2024 को इन आरोपी पुलिसकर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश जारी किया। अदालत ने इस मामले की ठीक से जांच करने का भी आदेश दिया।

ड्यूटी पर जा रही नर्स को झड़ियों में घसीट ले गई महिला, साथियों से करवाया रेप

नई दिल्ली, एजेंसियां

यूपी के उरई में एक महिला के साथ हैवानियत की घटना सामने आई है। स्वास्थ्य केंद्र पर ड्यूटी पर जा रही एक महिला नर्स को दूसरी महिला ने पति से अवैध संबंध के शक में अपने परिजनों के साथ मिलकर पकड़ लिया और फिर उसे झाड़ियों में घसीट लिया। यहां पर उसके साथ मारपीट की गई, जिससे महिला नर्स घायल हो गई। महिला नर्स को घायल हालत में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिसने मारपीट करने वाले लोगों पर रेप और प्राइवेट पार्ट में मिर्च डालने का भी आरोप लगाया। फिलहाल घटना को लेकर पुलिस को तहरीर नहीं दी गई है। वहीं पुलिस ने पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दो महिलाओं सहित तीन

लोगों को पकड़ लिया है।उरई कोतवाली क्षेत्र के एक मोहल्ला में कानपुर देहात के मूसानगर की महिला रह रही है जो चुर्खी थाना क्षेत्र के एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बनाई में स्टाफ नर्स के पद पर कार्यरत है। जिसके चलते गुरुवार सुबह वो स्कूटी से ड्यूटी के लिए निकली थी, जैसे ही वह चुर्खी थाना क्षेत्र के मुसमरिया मोड़ से पहले सुहाखर खेड़ा के पास पहुंची, तभी एक महिला ने अपनी मां, पिता व परिवार के अन्य लोगों के साथ मिलकर नर्स को स्कूटी से गिरा दिया और उसको पकड़कर रोड किनारे झाड़ियों में ले गए जहां उसको बंधक बनाकर जमकर मारा पीटा। इसकी जानकारी जैसे ही पुलिस को मिली तो पुलिस मौके पर पहुंची और महिला नर्स को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया जहां महिला ने मारपीट करने वालों पर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया, साथ ही प्राइवेट पार्ट में मिर्च भी डालने का आरोप लगाया।

पीड़िता ने बताया कि जहां पर वह तैनात है वहां पर उसकी पड़ोसी महिला उस पर शक करती हैं कि उसके पति के साथ अवैध संबंध है, इसको लेकर कुछ दिन पहले वाद विवाद भी हुआ था।

देवकीनंदन महाराज ने सनातन बोर्ड का ड्राफ्ट किया जारी, महाकुंभ 2025 में लगेगी अंतिम मोहर

नई दिल्ली, एजेंसियां

कानपुर में कथा वाचक देवकी नंदन ठाकुर महाराज ने कहा सनातन बोर्ड का गठन लोकसभा में कानून बनाकर किया जाए लेकिन इसमें सरकार का कोई हस्तक्षेप न हो। महाकुंभ में इस पर अंतिम मोहर लगाई जाएगी। पांडु नगर में पत्रकारों से वार्ता करते हुए उन्होंने बोर्ड का ड्राफ्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि यह मंदिरों की संपत्ति, देवभूमि और निधियों की सुरक्षा करेगा। सनातन बोर्ड के लिए अलग से न्यायाधिकरण स्थापित किया जाएगा। देवकीनंदन ठाकुर ने अजमेर दरगाह से संबंधित याचिका पर आए अदालत के निर्णय पर टिप्पणी करने से इनकार किया लेकिन कहां कि अभी तो यह शुरुआत है।

मथुरा विवाद पर उन्होंने कहा कि अदालत ने अगर संभल जैसा निर्णय

दिया होता तो यहां स्थितियां कुछ और ही होतीं। यह लड़ाई तो हम बहुत जल्दी जीत जाएंगे। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश–पाकिस्तान जैसे दूसरे देशों में अल्पसंख्यक सनातनी हिंदुओं के साथ बर्बरता और अत्याचार की तस्वीरें सामने आ रही हैं। वहीं भारत में अल्पसंख्यक के नाम पर लोग अपनी मनमानी कर रहे हैं। हम भारत में दूसरा कश्मीर नहीं बनने देंगे। हिंदुओं को इसके लिए जागरूक करेंगे।

देवकी नंदन ठाकुर ने भविष्य में हिंदू समुदाय को ऐसे खतरों से बचाने के लिए भारत में एक 'सनातन बोर्ड' की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया।

यह बयान सामिलित सनातन जागरण जोत के प्रवक्ता चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की हालिया गिरफ्तारी के बाद आया है, जिन्हें सोमवार को देशद्रोह के आरोप में हिरासत में लिया गया था। उनकी गिरफ्तारी बांग्लादेश के पूर्व नागरिक की शिकायत के बाद हुई पार्टी (बीएनपी) नेता फिरोज खान ने राष्ट्रीय ध्वज के अपमान का आरोप लगाया।

देहरादून में तीन बच्चों का शिकार करने वाले आदमखोर तेंदुए को शूटरों ने मार गिराया

देहरादून, एजेंसियां

देहरादून में वन विभाग के शूटरों द्वारा मंगलवार शाम टिहरी गढ़वाल में आदमखोर तेंदुए को मार गिराया गया। वन विभाग के अनुसार इस तेंदुए ने इस साल के जुलाई से अब तक तीन बच्चों को अपना शिकार बनाया था, जिसमें उनकी मौत हो गई थी। 22 जुलाई को तेंदुए ने जब भिलंगना ब्लॉक के भौंद गांव में एक 9 वर्षीय लड़की को मार डाला तो इसके बाद इसे 'आदमखोर' घोषित कर दिया गया था।

29 सितंबर को इसी ब्लॉक के पुरवाल गांव में तेंदुए ने तीन साल के बच्चे को मार डाला था। 19 अक्टूबर को इसी ब्लॉक के कोट महेर गांव में तेंदुए ने 13 साल की बच्ची को मार डाला था। इस घटना के बाद टिहरी के जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने स्कूली छात्रों की सुरक्षा को और भी कड़ा करने के लिए भौड़ गांव, पुरवाल गांव के

प्राथमिक विद्यालय, अंथवाल गांव के प्राथमिक और उच्च विद्यालय के साथ ही आंगनबाड़ी केंद्रों में तीन दिन की छुट्टी घोषित कर दी थी।

इन स्कूलों में अर्धवार्षिक परीक्षाएं स्थगित कर दी गई हैं। अधिकारियों के अनुसार मादा तेंदुआ करीब सात साल की है। भिलंगना रेंज अधिकारी आशीष नौटियाल ने कहा कि हमारे शूटरों ने आदमखोर तेंदुए को सफलतापूर्वक मार गिराया है। पिछले चार महीनों में इस बड़ी बिल्ली ने तीन बच्चों को मार डाला था। यह मादा थी और सात साल की थी। भिलंगना ब्लॉक के कई गांव पिछले महीनों से डर के साये में जी रहे थे। हमारे अधिकारियों द्वारा शव को जलाने से पहले तेंदुए का पोस्टमार्टम किया जाएगा

फरवरी में, टिहरी जिले के मलेथा क्षेत्र में आतंक मचाने वाले तेंदुए ने वन विभाग के चार कर्मचारियों सहित पांच महिलाओं को घायल कर दिया था। इसके बाद इसे वन विभाग के शूटरों ने गोली मारकर मार गिराया था। अप्रैल में, कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के मनोरथपुर बसीटेला गांव में 35 वर्षीय किसान को मारने वाली बाघिन को वन अधिकारियों द्वारा 10 दिनों के अभियान के बाद पकड़ा गया था। सितंबर में, वन विभाग ने एक तेंदुए को पकड़ा जिसने 19 अगस्त को पौड़ी जिले के कोटा गांव में एक पांच वर्षीय लड़के पर हमला किया था।

हाई कोर्ट का आदेश

खुशखबरी... पुलिस की निगेटिव रिपोर्ट के बावजूद बनेगा पासपोर्ट

जयपुर : एजेंसी

पासपोर्ट बनवाने या उसे रिन्यू कराने की कतार में लगे लोगों के लिए खुशखबरी है। राजस्थान हाई कोर्ट ने कहा है कि अगर पुलिस जांच की रिपोर्ट नकारात्मक आ जाए, तब भी पासपोर्ट बनने से नहीं रोका जा सकता है। हाल ही में हाई कोर्ट ने फैसला सुनाया है कि पुलिस सत्यापन की रिपोर्ट निगेटिव होना अपने आप में किसी नागरिक को पासपोर्ट पाने के कानूनी अधिकार से वंचित नहीं करता है। जस्टिस अनूप कुमार ढांड की पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि पासपोर्ट प्राधिकरण पुलिस की रिपोर्ट से बंधी हुई नहीं है।

सावित्री शर्मा बनाम भारत सरकार के

मामले में सावित्री शर्मा की याचिका पर सुनवाई करते हुए पीठ ने अपने फैसले में कहा, ₹प्रतिकूल पुलिस सत्यापन रिपोर्ट किसी नागरिक को पासपोर्ट पाने के उसके कानूनी अधिकार से वंचित नहीं कर सकती है। यह पासपोर्ट प्राधिकरण को तय करना होता है कि सत्यापन रिपोर्ट में आरोपित व्यक्ति के तथ्यों/पूर्ववृत्त को ध्यान में रखते हुए उसे पासपोर्ट जारी किया जाना चाहिए या नहीं। हालांकि, अदालत ने पासपोर्ट विभाग को छूट दी है कि यदि पुलिस सत्यापन में कुछ गड़बड़ मिलता है, तो वे विधि अनुसार कार्रवाई के लिए स्वतंत्र है। इसके साथ ही हाई कोर्ट ने केन्द्र सरकार और पासपोर्ट अधिकारी को निर्देश दिया कि वह याचिकाकर्ता के पासपोर्ट नवीनीकरण का प्रार्थना पत्र 8 सप्ताह में निष्पादित करे। हाई कोर्ट ने कहा कि किसी भी भारतीय नागरिक को उसके पासपोर्ट प्राप्त करने या नवीनीकरण करने के कानूनी अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता है। कोर्ट ने साफ कहा कि पासपोर्ट या यात्रा दस्तावेज जारी करने का निर्णय केवल पासपोर्ट प्राधिकरण की ओर से ही लिया जाना चाहिए।

लो आ गई खुशखबरी! 280 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेगी ट्रेन

नई दिल्ली, एजेंसियां

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को संसद को बताया कि इंटीग्रल कोच फैक्टरी, चेन्नई में बीईएमएल के साथ मिलकर हाई–स्पीड ट्रेन सेट का डिजाइन बनाया जा रहा है और निर्माण किया जा रहा है, जिसकी गति 280 किलोमीटर प्रति घंटा होगी।वैष्णव ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत वंदे भारत ट्रेनों की सफलता के बाद, भारतीय रेलवे (आईआर) ने अब हाई–स्पीड ट्रेन सेट का डिजाइन बनाना और निर्माण शुरू कर दिया है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसदों सुधीर गुप्ता और अनंत नायक द्वारा पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, "निर्माण लागत लगभग 28 करोड़ रुपये प्रति कार (करों को छोड़कर) है, जो अन्य ट्रेन सेट की तुलना में काफी

प्रतिस्पर्धी है।"मंत्री ने कहा, "हाई–स्पीड ट्रेन सेट का डिजाइन और निर्माण एक जटिल और गहन प्रौद्योगिकी वाली प्रक्रिया है।" उन्होंने प्रमुख तकनीकी पहलुओं पर भी प्रकाश डाला। इनमें वायुगतिकीय, वायुरोधी कार बॉडी का डिजाइन और निर्माण, उच्च गति के अनुप्रयोग के लिए प्रणोदन सहित इलेक्ट्रिक्स का डिजाइन और निर्माण, ट्रेन सेटों का वजन अनुकूलन और ट्रेनों की हीटिंग, वेंटिलेशन और वातानुकूलन शामिल है। मंत्री ने जापान के साथ तकनीकी और वित्तीय सहायता के साथ निष्पादित की जा रही मुंबई–अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (एमएएचएसआर) परियोजना पर ताजा जानकारी भी प्रदान की।

भैंसे पर बैठकर रील बनते हुए वीडियो वायरल

अमरोहा(सब का सपना)। अमरोहा नगर कोतवाली क्षेत्र के अमरोहा सीएचसी में भैंसे पर बैठकर रील बनाने पर पुलिस ने दिल्ली के यूट्यूबर को हिरासत में ले लिया। वह भैंसे के साथ सरकारी अस्पताल में रील बना रहा था। पुलिस ने उससे पूछताछ की है और शांति भंग में उसका चालान कर दिया।

यह मामला रविवार रात शहर के सीएचसी का है। दिल्ली निवासी यूट्यूबर रिहान शहर में अपनी रिश्तेदारी में एक शादी समारोह में आया था। वह भैंसे पर बैठकर रील बनाता है। यहीं काम वह अमरोहा में भी करने लगा। रविवार रात भी वह भैंसे पर बैठकर शहर की सड़कों पर धूमने निकल पड़ा। उसने चादर डालकर भैंसे को सजाया और फिर उस पर सवार होते समय हेलमेट भी लगाया। टहलते हुए यूट्यूबर के सीएचसी पहुंचते ही वहां लोगों की भीड़ जमा हो गई। सीएचसी में मरीज भी थे। मौके पर मौजूद लोग यूट्यूबर का अपने मोबाइल से वीडियो बनाने लगे। बच्चों के शोर मचाने से सीएचसी में अफरातफरी मच गई। हंगामा होने की सूचना मिलते ही नगर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने यूट्यूबर को हिरासत में ले लिया। कई घंटे तक उसे हवालात में रखा। बाद में माफी मांगने पर उसका शांतिभंग में चालान कर दिया। प्रभारी निरीक्षक पंकज तोमर ने बताया कि यूट्यूबर रिहान शहर की सड़कों पर रील बना रहा था। मौके पर भीड़ एकत्रित हो गई, उसका शांतिभंग में चालान किया गया है।

अमरोहा : डीजे पर डांस कर रहे युवक ने लहराया तमंचा, गिरफ्तार

अमरोहा। जोया में स्थित एक बैंक्वट हाल में डीजे पर बज रहे गानों पर डांस कर रहे युवक ने तमंचा लहराया। तमंचा देख लोगों में हड़कंप मच गया। लोगों ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसका चालान कर दिया है।

यह मामला डिडौली कोतवाली क्षेत्र के जोया में स्थित एक बैंक्वट हाल का है। रविवार रात यहां एक वैवाहिक कार्यक्रम चल रहा था। खाना खाने के बाद युवक डीजे पर बज रहे गानों पर डांस कर रहे थे। तभी एक युवक ने तमंचा हवा में लहरा दिया। तमंचा निकालते ही वहां डांस कर रहे दूसरे युवक चौक गए और डीजे फ्लोर से भीड़ कम हो गई। इस दौरान किसी ने युवक का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो में युवक के साथी उसके पास पहुंचते हैं और उसे पकड़ कर अपने साथ ले जाते हैं। बाद में उससे तमंचा व कारतूस छीन लेते हैं। प्रभारी निरीक्षक हरीश वर्धन सिंह ने बताया कि डीजे पर डांस के दौरान तमंचा लहराने वाला आरोपी कृष्णपाल सिंह निवासी गांव तेलीपुरा को गिरफ्तार कर लिया गया है।

एक नजर

डिडौली क्षेत्र में दिखाई दिया तेंदुआ, ग्रामीणों में दहशत

अमरोहा । डिडौली क्षेत्र के गांव चौधरपुर की एक फैक्टी के खाली मैदान में तेंदुए के दिखने पर वहां घास काट रहे मजदूरों में हड़कंप मच गया। मजदूरों ने मौके पर शोर मचा दिया। इस पर तेंदुआ दीवार फांदकर भाग गया। सूचना मिलने पर वन कर्मी मौके पर पहुंचे और तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाया।

मंगलवार दोपहर एक बजे करीब गांव चौधरपुर में हाईवे स्थित एक फैक्टी के खाली मैदान में तेंदुआ बैठा हुआ था। वहां घास काट रहे गांव चौधरपुर निवासी रामसिंह, कुंवरपाल, रामसेवक, मनोहरी लाल की नजर उस पर पड़ी तो उनके होश उड़ गए और उन्होंने बचाव के लिए शोर मचा दिया। मजदूरों के शोर मचाने पर तेंदुआ दीवार फांदकर जंगल में भाग गया। क्षेत्र में तेंदुए के होने की खबर जब ग्रमीणों को लगी तो उनमें हड़कंप मच गया। इसकी सूचना ग्रामीणों ने वन विभाग के अधिकारियों को दी। खबर मिलने पर वन कर्मी मौके पर पहुंच गए और तेंदुए की तलाश की। काफी खोजबीन करने के बाद उसका कहीं पता नहीं चला। अंत में वन विभाग कर्मियों ने तेंदुए को पकड़ने के लिए जंगल में कई स्थानों पर पिंजरा लगा दिया है। वन विभाग की टीम ने ग्रामीणों को तेंदुए से सतर्क रहने को भी कहा। तेंदुए के जंगल में होने की खबर से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। इन दिनों क्षेत्र में गन्ने की छिलाई का काम तेजी के साथ चल रहा है। ग्रामीण गन्ने की छिलाई करने लिए एकत्र होकर जंगल में जा रहे है

दूसरे समुदाय के शिक्षक ने नाबालिग छात्रा से की छेड़छाड, धर्म परिवर्तन कर शादी का दबाव बनाया

अमरोहा(सब का सपना): शहर के एक इंटर कॉलेज में गैर समुदाय के अध्यापक ने कक्षा नौ की नाबालिग छात्रा के साथ अश्लील हरकत की। एक लाख रुपये का प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन कराकर शादी करने का दबाव बनाया। छात्रा की शिकायत पर परिजन व बजरंग दल कार्यकर्ता थाने पहुंच गए और हंगामा किया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है।

नगर के एक इंटर कालेज में पढ़ने वाली कक्षा 9 की छात्रा के परिजनों का आरोप है कि स्कूल के ही गैर समुदाय के शिक्षक ने उनकी नाबालिग बेटी के साथ अश्लील हरकतें की। एक लाख रुपये का प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन करने की बात कही। इस संबंध में छात्रा के परिजनों ने स्कूल प्रबंधन व प्राचार्य से मामले की शिकायत भी की थी। मामले में कई दिन बीतने के बाद भी शिक्षक पर कोई कार्रवाई न होने पर परिजनों ने हिंदूवादी संगठनों से सहयोग मांगा। जिस पर बुधवार को विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के प्रांत गोरक्षा प्रमुख पश्चिमी उत्तर प्रदेश हेमंत सारस्वत व जिलाध्यक्ष अशोक सैनी कार्यकर्ताओं व परिजनों के साथ विद्यालय पहुंचे। जहां उनकी विद्यालय स्टाफ के साथ नोकझोंक हुई। सूचना पर थाना प्रभारी निरीक्षक पुलिस बल के मौके पर पहुंचे।

बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने आरोपी शिक्षक को मौके पर बुलाने की मांग की गई। घंटों चले हंगामे के बाद बजरंग दल के कार्यकर्ता व पुलिस ने आरोपी शिक्षक को स्कूल की छत से ही तलाश लिया। इसके बाद पुलिस ने आरोपी शिक्षक को बमुश्किल भीड़ से बचाकर थाने ले गई। इसके बाद हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ता व परिजन थाने में धरने पर बैठ गए। उन्होंने मौके पर वरिष्ठ अधिकारियों को बुलाने व आरोपी शिक्षक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। सूचना मिलते ही एसडीएम चंद्रकांता व पुलिस क्षेत्राधिकारी श्वेताभ भास्कर भी थाने पहुंच गए। उन्होंने परिजनों व कार्यकर्ताओं को उचित कार्रवाई का आश्वासन देकर शांत कराया। बजरंग दल प्रांत गोरक्षा प्रमुख हेमंत सारस्वत ने कहा कि नाबालिग छात्रा ने साहस कर शिक्षक की करतूत अपने परिजनों को बताई। नाबालिग छात्रा ने अपने साथ अन्य छात्राओं को भी ऐसे जाल में फंसने से बचाया है। आरोपी शिक्षक की मानसिकता जिहादी है। बजरंग दल पीड़ित परिवार के साथ खड़ा है। इस बाबत पुलिस क्षेत्राधिकारी श्वेताभ भास्कर ने बताया कि नाबालिग छात्रा के पिता की तहरीर पर आरोपी शिक्षक मोहम्मद शाहिद पुत्र जाहिद निवासी थाना एचौड़ा कंबोज जनपद संभल के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

पुलिस पर जानलेवा हमले में दोषी को 10 साल की सजा

अमरोहा । पुलिस टीम पर जानलेवा हमला करने वाले दोषी को कोर्ट ने 10 साल जेल की सजा सुनाई है। साथ ही उस पर 1000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

घटना 25 जनवरी 2005 की सैदनगली थाना क्षेत्र की थी। यहां के तत्कालीन थानाध्यक्ष अनूप सिंह राठी पुलिसकर्मियों के साथ लूट से संबंधित एक घटना की छानबीन करने के लिए कस्बा उझारी गए थे। वह मामले के खुलासे के लिए एसओजी इंचार्ज टीम के साथ जांच कर रहे थे। उसी दौरान पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि बुरावली रोड पर हुई लूट में शामिल कुछ बदमाश वहां एक आम के बाग में हैं और आपस में सामान और रुपये बांट रहे हैं। उनके पास तमंचे भी हैं। यह सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और बदमाशों को पकड़ने के लिए घेराबंदी की। उसी दौरान बदमाशों ने जान से मारने की नीयत से पुलिस टीम पर फायरिंग की। जिसमें पुलिसकर्मी बाल-बाल बचे थे। बाद में पुलिस ने जवाबी फायरिंग करते हुए मौके से पांच बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया था।

फंदे से लटका मिला महिला का शव, हत्या का आरोप

अमरोहा(सब का सपना): हसनपुर महिला ने ससुराल में फंदे से लटककर जीवन लीला समाप्त कर ली। मायके वाले हत्या कर शव को लटकाने का आरोप लगा रहे हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

थाना गजरौला क्षेत्र के गांव ख्यालीपुर निवासी अमर सिंह ने अपनी पुत्री जोगेंद्री की शादी 6 महीने पहले कोतवाली हसनपुर के गांव लुहारी खादर निवासी पुष्पेन्द्र पुत्र मलखान के साथ की थी। बुधवार दोपहर पुष्पेंद्र सिंह भूमि विवाद के मामले में एसडीएम कार्यालय आया हुआ था और उसके पिता मलखान कोल्हू पर गये थे। जबकि महिला की सास उर्मिला खेत पर गई थी। बताया जाता है कि पशुशाला में जोगेंद्री ने रस्सी के फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। जब मृतका का देवर राज घर पहुंचा तो उसने अपनी भाभी को फंदे से लटका देखा, जिसकी सूचना उसने अपने पिता मलखान को दी। कुछ ही देर में ग्रामीणों की भारी भीड़ मौके पर एकत्र हो गई। इसकी सूचना मिलते ही मायके वाले भी बेटी की ससुराल पहुंच गये। उधर, कोतवाली पुलिस भी सूचना मिलते ही मौके पर पहुंच गई। इस पर मायके वाले जोगेंद्री की हत्या कर शव को लटकाने का आरोप लगाने लगे। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। जबकि परिजन घर से फरार हो गये। प्रभारी निरीक्षक रविंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि विवाहिता का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। अग्रिम कार्रवाई परिजनों की तहरीर एवं पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर की जाएगी।

कार ने बाइक सवार तीन छात्रों को रौंदा

अमरोहा (सब का सपना): । हसनपुर क्षेत्र में मनोटा पुलिस चौकी के पास सोमवार सुबह कार चालक ने बाइक सवार तीन छात्रों को रौंद दिया। इससे एक छात्र की मौत हो गई, जबकि उसके दो दोस्त घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए गजरौला सीएचसी भेज दिया गया। जहां हालत गंभीर होने पर दोनों को हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया।

हसनपुर क्षेत्र के गांव आगापुर निवासी आकाश (21) पुत्र नन्हें, मनोटा निवासी अंकित पुत्र मूलचंद, गांव लुहारी निवासी जितेंद्र पुत्र मेघपाल बाइक पर सवार होकर सोमवार सुबह नौ बजे बीएससी की परीक्षा देने के लिए जिला हापुड़ के सिंभावली जा रहे थे।

जब ये तीनों हसनपुर-गजरौला मार्ग पर मनोटा पुलिस चौकी के पास पहुंचे तो कार ने इनकी बाइक को टक्कर मार दी। इससे आकाश की मौत हो गई, जबकि उसके दो दोस्त अंकित व जितेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गए। कुछ ही देर में दुर्घटना स्थल पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए गजरौला की सीएचसी भेज दिया।

सूचना के बाद मृतक छात्र व घायलों के परिजन मौके पर पहुंच गए। दोनों घायलों की हालत गंभीर होने पर उन्हें हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया है। मृतक छात्र के परिवार में कोहराम मचा हुआ है। दोनों को हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया।

पुलिस ने युवक को पानी की बजाए पिलाया तेजाब

अमरोहा(सब का सपना): सैदनगली थाने में संभल के युवक को पानी की बजाए तेजाब पिलाने के मामले में परिजनों ने शनिवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय परिसर में धरना प्रदर्शन किया। उन्होंने कार्रवाई नहीं होने तक धरना देने की चेतावनी दी। धरना स्थल पर ही बीमार युवक को ड्रिप चढ़ाई गई। देर शाम आश्वान के बाद उन्होंने धरना खत्म किया।

जिला संभल के गांव पनसुखा मिलक के रहने वाले पुष्पेंद्र ने शनिवार को बताया कि 14 अक्टूबर की रात सैदनगली थाने के पास दो गुटों में झगड़ा हो रहा था। वहां उसका छोटे भाई धर्मेंद्र ने झगड़ा कर रहे लोगों को शांत कराने की कोशिश की थी। आरोप है कि पुलिस उसे पकड़ कर थाने ले गई थी और हवालात में बंद कर दिया था। उसने पीने के लिए पानी मांगा तो पुलिस वालों ने उसे तेजाब पीला दिया था। तेजाब पीने से उसकी हालत बिगड़ गई थी। इसके बाद उसे निजी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां से हालत नाजुक होने पर मेरठ रेफर कर दिया गया। परिजनों ने बताया कि मेरठ के डॉक्टरों ने कहा कि धर्मेंद्र की आंत कट चुकी है। इससे उसकी हालत नाजुक है।

परिजनों ने बताया कि कार्रवाई के लिए वे सीओ, एसपी, डीआईजी और मुख्यमंत्री के यहां जा चुके हैं। लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद वे विवश होकर एसपी कार्यालय में धरने पर बैठ गए। परिजनों का कहना है कि वे आरोपी पुलिस कर्मियों के खिलाफ निष्पक्ष रूप से जांच कर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। आरोप है कि शिकायत करने पर उनसे सीसीटीवी कैमरा की फुटेज मांगी जा रही है। शनिवार को वे धरने पर बैठे रहे। परिजनों ने युवक को भी धरनास्थल पर लेटा दिया। जहां उसे ड्रिप चढ़ गई। धर्मेंद्र के भाई पुष्पेंद्र का कहना है कि उनकी कहीं भी सुनवाई नहीं हो रही है। जबकि उसके भाई की तबीयत हर रोज बिगड़ती जा रही है। उसने कहा कि वे धरनास्थल से तभी ही उठेंगे, जब आरोपी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई होगी। इस संबंध में एएसपी रजीव कुमार सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में है। जांच कराई जा रही है।

तुमसे बढ़कर दुनिया में न देखा कोई... कवि सम्मेलन का आयोजन

अमरोहा(सब का सपना): तिगरी गंगा मेले में कार्तिक पूर्णिमा स्नान की पूर्व संध्या पर श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय की ओर से अखिल भारतीय कवि सम्मेलन एवं बॉलीवुड म्यूजिकल नाइट का आयोजन किया गया। जिसमें पुलिस-प्रशासनिक व न्यायिक अधिकारियों के साथ तमाम जनप्रतिनिधियों समेत कई हजार दर्शकों ने कार्यक्रम का आनंद लिया। कवि सम्मेलन एवं बॉलीवुड नाइट्स गुरुवार शाम 6 बजे शुरू हुआ और सुबह तीन बले तक चला।

श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय संस्थान की ओर से आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन एवं बॉलीवुड म्यूजिकल नाइट् का आरंभ जिला एवं सत्र न्यायाधीश जफीर अहमद, जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स, पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह, श्री वेंकटेश्वरा समूह अध्यक्ष डॉ. सुधीर गिरी, प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी, सीडीओ अश्वनी मिश्रा, मुख्य मेला अधिकारी माया शंकर यादव आदि ने मां गंगा की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित करके किया।

इसके बाद बॉलीवुड म्यूजिकल नाइट में मशहूर सारेगामा की सिंगर निवेदिता नंदा एवं टी सीरीज सिंगर मनोज वर्मा ने अपनी तो जैसे तैसे कट जाएगी... और ओ हंसिनी मेरी हंसिनी कहां उड़ चली.. तुमसे बढ़कर दुनिया में ना देखा कोई ..... तू माने या ना माने दिलदारा... समेत बॉलीवुड एवं पंजाबी गीतों पर शानदार प्रस्तुति देकर सभी को झूमने पर मजबूर कर दिया। रात 10 बजे कवि डॉ. दिनेश रघुवंशी के संचालन में शुरू हुए कवि सम्मेलन में बरेली के डॉ. राहुल अवस्थी ने दाल ना गल पाएगी दुश्मन हाथ मारेंगे भारत के चाले ना चल पाएंगे राफेल चलेंगे भारत के... सुनाकर सभी में जोश भर दिया। दौसा से आईं श्रृंगार रस की कवित्री सपना सोनी ने कहा जमीन पर चांद मेरे सामने उतर आया, जिसे निहार मेरे दिल में प्यार भर आया... सुनाकर खूब वाहवाही लूटी।

कपिल शर्मा शो एवं लाफ्टर चौंपियन सीजन 2 के विजेता कानपुर से आए हेमंत पांडे ने राजनीति एवं प्रेम पर व्यंग्य से सबको हंसाकर लोटपोट कर दिया। डॉ. दिनेश रघुवंशी ने कहा हमेशा तन गए आगे जो तोपों की दहानों के, कोई कीमत नहीं होती क्या प्राणों की जवानों की, बड़े लोगों की औलादें तो कैंडल मार्च करती है, जो अपने प्राण देते हैं वह बेटे हैं किसानों के... सुनाकर सभी की आंखें नम कर दी।

कुंदरकी सीट पर खिला कमल, भाजपा के रामवीर सिंह ने दर्ज की जीत

मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश की कुंदरकी विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रत्याशी रामवीर सिंह ने समाजवादी पार्टी (सपा) के मोहम्मद रिजवान को 1,44,791 मतों के भारी अंतर से हराकर जीत हासिल की। निर्वाचन आयोग के अनुसार, रामवीर सिंह (भाजपा) को 1,70,371 वोट मिले जबकि सपा के मोहम्मद रिजवान को 25,580 वोट हासिल हुए।

आंकड़ों के मुताबिक, आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के चांद बाबू 14201 के साथ तीसरे, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के मोहम्मद वरीश 8111 मतों के साथ चौथे और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के रफतुल्ला महज 1,099 मतों के साथ पांचवें स्थान पर रहे। इस वर्ष कुंदरकी सीट से विधायक जियाउर रहमान (सपा) के लोकसभा चुनाव में संभल संसदीय क्षेत्र से निर्वाचित होने के बाद यह सीट खाली हुई थी।

आठवें राउंड की मतगणना पूरी, भाजपा प्रत्याशी की बढ़त बरकरार

कुंदरकी विधानसभा के उप चुनाव में अब तक 8 राउंड की मतगणना पूरी हो चुकी है। जिसमें सपा प्रत्याशी मोहम्मद रिजवान को 5941, बसपा के रफत उल्ला को केवल 270, भाजपा प्रत्याशी रामवीर सिंह को 46211 वोट मिले हैं। जबकि आजाद समाज पार्टी के चांद बाबू को 2341, एआईएमआईएम के मोहम्मद वारिस को 1904 वोट मिले हैं। अब तक कुल 57366 मतों की गिनती पूरी हो गई है।

छठें राउंड तक 39489 मतों की गिनती पूरी हो गई है। जिसमें भाजपा प्रत्याशी रामवीर सिंह को 30988 वोट मिल चुके हैं। जबकि दूसरे नंबर पर चल रहे सपा के मोहम्मद रिजवान को 4827 मत मिले हैं। भाजपा प्रत्याशी रामवीर सपा के रिजवान से सातवें राउंड में छह गुना वोटों से आगे हैं। अभी 25 राउंड बाकी हैं।मुरादाबाद। कुंदरकी विधानसभा के उप चुनाव में अब.तक चार राउंड की मतगणना पूरी हो चुकी है। अब तक भाजपा प्रत्याशी रामवीर सिंह 18086 मतों से समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी पूर्व विधायक मोहम्मद रिजवान से आगे चल रहे हैं।

चार राउंड की मतगणना में सपा प्रत्याशी रिजवान को 2815, बसपा के रफत उल्ला को सिर्फ 121, भाजपा के रामवीर सिंह को 20991, चांद बाबू को 1232 वोट मिले हैं। अब तक कुल 26248 मतों की गिनती पूरी हो चुकी है।

50 हजार से अधिक वोट से जीत दर्ज करूंगा-रामवीर सिंह

अपनी जीत के लिए भाजपा भाजपा प्रत्याशी रामवीर सिंह आश्वस्त नजर आए। उन्होंने कहा कि ये भाजपा के कार्यकर्ताओं, हर धर्म-जाती की मेहनत का नतीजा है। उन्हें ही इसका श्रेय जाता है।

हाजी रिजवान के गांव में दो बूथ है, उनमें एक बूथ पर आगे हूं। दूसरे बूथ पर लगभग बराबरी है। मैं सभी बुथों पर चुनाव जीत रहा हूं। 50 हजार से अधिक वोट से जीत दर्ज करूंगा।

मतगणना स्थल पर पहुंचे भाजपा प्रत्याशी ठाकुर रामवीर सिंह

तीसरे राउंड की मतगणना के बाद सपा प्रत्याशी मो. रिजवान को 2181 और भाजपा प्रत्याशी रामवीर सिंह को 13149 वोट मिले हैं।

अब तक तीन राउंड की मतगणना में कुल 17338 वोटों की गिनती पूरी हो गई है।

दूसरे राउंड की मतगणना के बाद कुंदरकी विधानसभा के उप चुनाव में भाजपा प्रत्याशी रामवीर सिंह 6662 वोट से आगे हैं। अब तक 9670 मतों की गिनती हो गई है।

पहले राउंड में भाजपा प्रत्याशी 3394 वोटों से आगे

कुंदरकी विधानसभा उप चुनाव में मतों की गिनती मंडी समिति में चल रही है। प्रथम राउंड की मतगणना में सपा के रिजवान को 383, बसपा के रफतउल्ला को 32, भाजपा के रामवीर सिंह को 3777 वोट मिले हैं। कुल 4828 वोटों की गिनती पूरी हो गई।

संक्षेप खबरें

संभल में बीच सड़क पर छात्रा को कर रह थे प्रपोज

(सब का सपना): संभल बाइक सवार युवकों ने छात्रा के साथ छेड़खानी कर रहे थे। छात्रा ने शोर मचा दिया। मौके पर जमा भीड़ ने आरोपियों को पकड़कर पुलिस को सौप दिया। जिले के चंदौसी की आवास विकास कॉलोनी में कोचिंग से लौट रही छात्रा से बाइक सवार युवकों ने छेड़खानी कर दी। विरोध करने पर आरोपी ने छात्रा को थप्पड़ मार दिया। भीड़ ने एक आरोपी को पकड़ लिया और जमकर पीटने के बाद पुलिस को सौंप दिया। चंदौसी थाना क्षेत्र में छेड़छाड़ का विरोध करने पर एक छात्रा को थप्पड़ मारने का मामला सामने आया है। यहां दो छात्राएं कोचिंग के लिए जा रही थीं, तभी बाइक पर सवार दो युवकों ने उनकी राह रोकी। एक युवक ने छात्रा को अंगूठी देने की कोशिश की, जिसका छात्रा ने विरोध किया। इसके बाद युवक ने उसे थप्पड़ मार दिया। इस मामले में प्रभारी निरीक्षक रेनू रानी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ तहरीर दी गई है। तहरीर के आधार पर आरोपी युवक के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

संभल में पुलिस मुठभेड़, गोतस्करी के लगी गोली

(सब का सपना) संभलः बाइक सवार तीन लोग आते दिखाई दिए। पुलिस कर्मियों ने रुकने का इशारा किया तो आरोपियों ने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए आरोपियों का पीछा किया।जुनावई में शनिवार की देर रात पुलिस ने मुठभेड़ में गोतस्कर गजराज को गिरफ्तार किया है। उसके पैर में गोली लगी है। इलाज के लिए उसे अस्पताल में भर्ती कराया है। एक कांस्टेबल भी जख्मी हुआ है। आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

जुनावई पुलिस रात को घौंसली वाहन शुगर मिल खंडहर के पास चेकिंग कर रही थी। इस दौरान बाइक सवार तीन लोग आते दिखाई दिए। पुलिस कर्मियों ने रुकने का इशारा किया तो आरोपियों ने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए आरोपियों का पीछा किया।इस दौरान एक आरोपी के पैर में गोली लग गई। दो आरोपी बाइक छोड़ कर मौके से भाग गए। आरोपियों को पकड़ने में एक कांस्टेबल भी जख्मी हुआ है। पुलिस के अनुसार पकड़ा गया आरोपी गोतस्कर गजराज है।

वह गुन्नौर के गांव डूडा बाग का रहने वाला है।उसे अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया है।

गुरुद्वारे में घुसकर युवक ने सेवादारों पर की फायरिंग

भगतपुर, क्षेत्र के गांव पीपलगांव में स्थित गुरुद्वारे में बुधवार शाम भाजपा का झंडा लगी कार से पहुंचकर युवक ने साथियों के साथ सेवादारों पर तमंचे से फायरिंग कर दी। आरोपी ने उनके साथ मारपीट और गाली-गलौज भी की। इसके बाद आरोपी भाग गए। पीड़ति सेवादारों की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

गांव पीपलगांव निवासी अलबिंदर सिंह ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि गुरुद्वारे में बुधवार शाम गुरुनानक देव के प्रकाशोत्सव के उपलक्ष में अखंड पाठ चल रहा था। इस बीच गांव निवासी सेवाराम सिंह साथियों के साथ कार से गुरुद्वारे में पहुंचा। उसकी कार पर भाजपा का झंडा लगा था। यहां वह जमीन पर अवैध रूप से कब्जा करने का आरोप लगाते हुए सिख समुदाय के लोगों से अभद्रता करने लगा। इस पर उन्होंने उससे कहा कि इस जमीन का मामला कोर्ट में विचाराधीन है। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं से अभद्र व्यवहार करने से मना किया तो वह सेवादारों के साथ मारपीट करने लगा।

इस बीच आरोपी सेवाराम ने तमंचा से फायरिंग कर दी। हालांकि इससे कुछ लोग बाल-बाल बच गए। फायरिंग होने से कार्यक्रम में शामिल लोगों में दहशत फैल गई।

इसके बाद आरोपी वहां से भाग गए। बाद में सेवादारों ने पुलिस को घटना की सूचना दी तो थाना प्रभारी संजय कुमार पांचाल पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने सेवादारों से पूछताछ की।

मुरादाबादः मूंढापांडे में झोलाछाप ने ली जच्चा- बच्चा की जान, हंगामा

मूंढापाडे, अक्का डिलारी चौराहे पर छोटी सी दुकान में मरीजों का इलाज करने का दावा करने वाले झोलाछाप के गलत इलाज से जच्चा और बच्चा की जान चली गई। झोलाछाप की लापरवाही से गुस्साये परिजनों ने हंगामा कर दिया। इस पर झोलाछाप अपनी दुकान बंद करके भाग गया। मृतका के पति ने झोलाछाप के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नाजरपुर श्योराज निवासी राजकुमार ने अपनी 30 वर्षीय गर्भवती पत्नी मिथिलेश को प्रसव पीड़ा होने पर अक्का डिलारी चौराहे के समीप छोटी सी दुकान में चल रहे इलाज करने के ठिकाने में शुक्रवार की सुबह भर्ती कराया था। परिजनों ने बताया प्रसव के दौरान पीड़ा बढ़ने पर प्रसूता को अन्य जगह ले जाने के लिए कहा, लेकिन झोलाछाप बिना जांच-पड़ताल के तसल्ली देकर उपचार करता रहा। इससे गर्भवती की तबीयत बिगड़ती चली गई। दोपहर के समय प्रसव के दौरान बच्चे की मौत हो गई। इसके बाद भी झोलाछाप प्रसूता का इलाज करता रहा। प्रसूता की तबीयत लगातार बिगड़ती गई। कुछ समय बाद प्रसूता की मौत हो गई मौत की सूचना मिलते ही परिजनों ने हंगामा शुरू कर दिया। हंगामा बढ़ता देखकर झोलाछाप दुकान बंद कर भाग गया। हंगामे की सूचना मिलते ही दलपतपुर पुलिस चौकी टीम भी मौके पर पहुंच गई। मृतका का पति राजकुमार मेहनत-मजदूरी करके परिवार का पालन-पोषण करता है। मृतका के परिवार में बेटा आर्यन (10 वर्ष), बेटियां रोहिणी (9 वर्ष) और प्राची (6 वर्ष) है। मृतका के पति ने झोलाछाप डॉक्टर के खिलाफ थाने में तहरीर देकर न्याय की मांग की है।

ट्रैक्टर-ट्रॉले ने दंपती और पुत्री को रौंदा

डिलारी/मुरादाबाद, ठाकुरद्वारा-करनपुर मार्ग पर गांव आलियाबाद जंगल में ईंट भट्ठे के पास गुरुवार सुबह नौ बजे सड़क किनारे खड़े होकर फोन पर बात कर रहे दंपती और पुत्री को गन्ने से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉले ने रौंद दिया। इससे महिला की मौत गई। दो पिता-पुत्री घायल हो गए। पति महिला को सीएचसी के बाद जिला अस्पताल ले गया। लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी।

ठाकुरद्वारा कोतवाली क्षेत्र के गांव गोपीवाला नजाकत ने पुलिस को तहरीर दी। इसमें उसने बताया कि वह बाइक पर बैठा कर अपनी पत्नी रिहाना (40) व पुत्री निशा को लेकर रिश्तेदारी में गांव अलियाबाद जा रहा था। आलियाबाद गांव के जंगल में स्थित ईंट भट्ठे के पास सड़क किनारे बाइक रोककर वह अपने दामाद आसिम से फोन पर बात करने लगा। तभी पीछे से ट्रैक्टर ट्रॉले ने तीनों को टक्कर मार दी। इससे तीनों घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल रिहाना को एंबुलेंस से उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डिलारी ले जाया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। वहां उपचार के दौरान रिहाना की मौत हो गई।

फंदे में फंसा तेंदुआ, वन विभाग ने किया रेस्क्यू ऑपरेशन

मुरादाबाद। लंबे समय से ग्रामीणों और वन विभाग की नाक में दम करने वाले तेंदुओं में से एक तेंदुआ पकड़ लिया गया है। करीब दस घंटे के रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद आखिरकार तेंदुआ का रेस्क्यू किया गया। गुरुवार को भोजपुर थाना क्षेत्र स्थित गांव में ग्रामीणों के द्वारा लगाए गए जाल में फंसने के बाद वन विभाग की टीम तेंदुए को ट्रेंक्यूलाइज करके डियर पार्क लाई है।

मामला भोजपुर के गांव सेहल और दादूपुर के बीच का है। जहां सुबह काम पर जा रहे ग्रामीणों की नजरें जब रेंगते हुए तेंदुए पर पड़ी तो वह डर गए। खौफजदा ग्रामीणों ने चीखना शुरू कर दिया। देखते ही देखते सारा गांव एकत्रित हो गया। तेंदुए को देख किसी ग्रामीण ने वन विभाग और पुलिस को मामले की सूचना दी। फोन करने के घंटेभर बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। पंद्रह से ज्यादा लोगों की टीम ने मौके पर पहुंचकर तेंदुए की तलाश की। जाल में पैर फंसे होने की वजह से तेंदुआ वहीं पर बैठा मिली। वन विभाग की टीम ने ट्रेंक्यूलाइजेशन के लिए उच्चाधिकारियों को सूचना दी। जिसके लिए पीलीभीत टाइगर रिजर्व से आए डॉ. दक्ष गंगवार ने तेंदुए को ट्रेंक्यूलाइज किया। बेहोशी की अवस्था में पैर जाल से निकाला और पिंजर में डालकर तेंदुए को डियर पार्क लाया गया। जहां चिकित्सकों द्वारा तेंदुए का परीक्षण किया जा रहा है। गांव के पूर्व प्रधान राजेंद्र सिंह ने बताया कि किसी ग्रामीण ने पशु पकड़ने के लिए जाल लगाया था। लेकिन, जाल में जब तेंदुआ फंस गया तो पूरे गांव में दहशत फैल गई और वन विभाग की टीम को सूचना दी गई।

भूमि विवाद में छोटे भाई ने बड़े को मारी गोली, हालत गंभीर

छजलैट/मुरादाबाद। क्षेत्र के गांव रम्पुरा ऊर्फ रामनगर में गुरुवार दोपहर भूमि को लेकर दो भाइयों में विवाद हो गया। इस बीच छोटे भाई ने तमंचे से बड़े भाई को गोली मार दी। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे सीएचसी में भर्ती कराया गया। आरोपी फरार है। पुलिस ने उसकी पत्नी को हिरासत में लिया है।

गांव रम्पुरा ऊर्फ रामनगर में राजेश का परिवार रहता है। उनके पुत्र प्रदीप (33) और केतना (28) के बीच काफी समय से भूमि को लेकर विवाद चल रहा था। ग्रामीणों ने दोनों भाइयों के बीच समझौता कराने का प्रयास किया। लेकिन वे नहीं माने। बताया गया कि छोटा भाई केतना और उसकी पत्नी गुड्डी उर्फ रुबीना सारी भूमि पर कब्जा करने के लालच में प्रदीप की शादी भी नहीं होने देना चाहते हैं। लेकिन इस बीच प्रदीप की शादी गांव रवाना की युवती से तय हो गई। 6 दिसंबर को शादी होनी है। उसके छोटे भाई केतना और उसकी पत्नी को यह बात नागवार गुजरी। गुरुवार दोपहर 12 बजे घर में प्रदीप भोजन खा रहा था। उसके पिता बाहर गए थे। तभी केतना ने उसके सिर से तमंचा सटाकर गोली मार दी। लेकिन गोली उसके सिर के पिछले हिस्से से छूकर निकल गई। गोली की आवाज सुनकर ग्रामीण और उनके पिता राजेश घटनास्थल पहुंच गए। पड़ोसी और पिता गंभीर रूप से घायल प्रदीप को मुरादाबाद के एक निजी अस्पताल ले गए। सूचना के बाद थाना अध्यक्ष मनोज कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पहुंचे। लेकिन आरोपी केतना वहां से फरार हो गया। पुलिस ने मौके से प्रदीप के खून नमूने लिए और घटनास्थल पर मौजूद केतना की पत्नी गुड्डी उर्फ रूबी को हिरासत में ले लिया। इस मामले में देर शाम तक रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई थी। थाना अध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया कि तहरीर व साक्ष्य के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

बदलते मौसम में इस बीमारी का शिकार हो रह मासूम बच्चे

अमरोहा(सब का सपना): यह बदलता हुआ मौसम अपने साथ बीमारियां लेकर आया है। लोगों को निमोनिया व एलर्जी की समस्या हो रही है। सबसे ज्यादा परेशानी बच्चों को हो रही है।

इन दोनों ही कारणों से हर सप्ताह दो व्यस्क मरीज व 10 बच्चे जिला अस्पताल में भर्ती हो रहे हैं। निजी अस्पतालों में भी 100 में 80 बच्चे आ रहे है, जो निमोनिया व एलर्जी की समस्या से पीड़ति है।

एलर्जी से पीड़ति बच्चों को दी जा रही इनहेलर थेरेपी

बता दें कि बदलते मौसम के साथ बच्चों को निमोनिया व एलर्जी हो रही है। एलर्जी के मरीजों के चेस्ट एक्स-रे क्लियर आ रहे हैं। इससे माता-पिता को लगता है कि बच्चे को कोई समस्या नहीं है। जबकि डॉक्टरों का कहना है कि निमोनिया व एलर्जी में यही अंतर है।

निमोनिया वाले बच्चों के चेस्ट एक्स-रे में धब्बे अलग ही दिखाई देते हैं। जबकि एलर्जी में ऐसा में नहीं होता, क्योंकि यह समस्या सांस की नली से संबंधित है। जिला अस्पताल में निमोनिया से पीड़ति बच्चों को इंजेक्शन व एलर्जी से पीड़ति बच्चों को इनहेलर थेरेपी दी जा रही है।

डॉक्टरों का कहना है कि खांसी व ठंड लगकर बुखार आना, सांस लेने में तकलीफ, सीने में दर्द, थकान और कमजोरी, तेजी से सांस लेना आदि निमोनिया के लक्षण हैं।

इनहेलर थेरेपी से घबरा रहे बच्चों के माता-पिता

एलर्जी से पीड़ति बच्चों को इनहेलर थेरेपी दी जा रही है। जिससे बच्चों के माता पिता घबरा रहे है। उनका कहना है कि इनहेलर बुजुर्गों व सांस के गंभीर मरीजों को दिया जा रहा है, जबकि डॉक्टरों का कहना है कि एलर्जी के इन्फेक्शन के मामले में इनहेलर से अच्छी कोई दवा नहीं है।

डॉक्टरों का कहना है कि इस बदलते मौसम में बीमारियों से बचें। बच्चों को संक्रमण से बचाएं। डॉक्टर की सलाह पर टीके लगवाए खांसी व ठंड लगकर बुखार आना, सांस लेने में तकलीफ, सीने में दर्द, थकान आदि लक्षणों पर डॉक्टर को दिखाएं और सलाह पर टीके लगवाएं। साफ सफाई करते समय बच्चों को अलग कमरे में बैठाएं, बाहर की हवा से जितना बचाएंगे, उतना बेहतर।

वहीं, डॉक्टरों का कहना है कि इस बदलते मौसम में बीमारियों से बचें। बच्चों को संक्रमण से बचाएं। डॉक्टर की सलाह पर टीके लगवाए खांसी व ठंड लगकर बुखार आना, सांस लेने में तकलीफ, सीने में दर्द, थकान आदि लक्षणों पर डॉक्टर को दिखाएं और सलाह पर टीके लगवाएं। साफ सफाई करते समय बच्चों को अलग कमरे में बैठाएं, बाहर की हवा से जितना बचाएंगे, उतना बेहतर।

मुरादाबाद ब्लॉक प्रमुख हत्याकांड में एसटीएफ की कार्रवाई

मझोला क्षेत्र में 10 अगस्त 2023 को भाजपा नेता अनुज चौधरी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। अनुज चौधरी ब्लॉक प्रमुख पद के प्रत्याशी थे। हत्या का कारण आपसी रंजिश और राजनीतिक विवाद सामने आया था। इस घटना ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी थी। मुख्य आरोपी विकास सिंह धामा तब से फरार था।

मुरादाबाद : उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने मुरादाबाद के चर्चित ब्लॉक प्रमुख प्रत्याशी और भाजपा नेता अनुज चौधरी की हत्या के मामले में फरार चल रहे एक लाख के इनामी मुख्य आरोपी विकास सिंह धामा को गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरफ्तारी सहारनपुर से हुई, जहां आरोपी लंबे समय से छिपा हुआ था।

मझोला क्षेत्र में 10 अगस्त 2023 को भाजपा नेता अनुज चौधरी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। अनुज चौधरी ब्लॉक प्रमुख पद के प्रत्याशी थे। हत्या का कारण आपसी रंजिश और राजनीतिक विवाद सामने आया था। इस घटना ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी थी।

हत्या के बाद पुलिस ने कई आरोपियों को गिरफ्तार किया था लेकिन मुख्य आरोपी विकास सिंह धामा तब से फरार था। पुलिस ने उसे पकड़ने के लिए व्यापक सर्च ऑपरेशन चलाया और उसकी गिरफ्तारी पर 1 लाख रुपये का इनाम घोषित किया।एसटीएफ को मुखबिर से सूचना मिली थी कि विकास सहारनपुर में छिपा हुआ है। इसके बाद एसटीएफ की बरेली यूनिट ने सहारनपुर में घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया।एसटीएफ अधिकारियों के अनुसार मुख्य आरोपी लगातार ठिकाने बदलकर पुलिस को चकमा दे रहा था। उसका पकड़ा जाना जांच में एक बड़ी सफलता मानी जा रही है। एसटीएफ अधिकारियों ने बताया कि विकास सिंह पर हत्या के अलावा कई अन्य गंभीर मामले भी दर्ज हैं। वह हत्या के बाद से ही फरार था और लगातार स्थान बदलकर छिप रहा था।

उसकी गिरफ्तारी के बाद उसे मुरादाबाद पुलिस को सौंप दिया गया है। मुरादाबाद पुलिस अब उससे पूछताछ कर हत्या की साजिश और इसमें शामिल अन्य आरोपियों के बारे में जानकारी जुटा रही है। अनुज चौधरी हत्याकांड न केवल मुरादाबाद बल्कि पूरे क्षेत्र में राजनीतिक हलचल मचा दी थी। भाजपा नेताओं ने इस घटना पर कड़ी नाराजगी जताई थी और त्वरित कार्रवाई की मांग की थी। आरोपी के पकड़े जाने के बाद पुलिस को उम्मीद है कि पूछताछ के बाद इस मामले से जुड़े अन्य राज सामने आएंगे।

संक्षेप खबरें

पुलिस ने 52 वांछित,वारंटी किये गिरफ्तार

मथुरा(राजकुमार गुप्ता):– पुलिस ने विभिन्न आपराधिक मामलों में वांछित चल रहे एवं वारंटियों के खिलाफ अभियान चला कर आधा सैकड़ा से अधिक ऐसे लोगों को गिरफ्तार किया है। बुधवार को एसएसपी शैलेश पांडेय के निर्देशन में गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया गया। गुरूवार को जनपद के समस्त थानों द्वारा कुल 52 वांछित एवं वारंटियों को गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की गयी।

प्रभारी निरीक्षक थाना राया अजय कौशल के मुताबिक हरिपाल सिंह पुत्र सूरजमल निवासी ग्राम नगला सहसू थाना राया को कैनाल एक्ट, बनी सिह पुत्र हरी सिह निवासी ग्राम खरवा थाना राया कापीराइट एक्ट, सुरेश पुत्र कढेरू, नीतेश पुत्र सौदान सिंह निवासीगण सरूआ थाना राया, रामसनेही पुत्र रुपराम निवासी ग्राम सुथरिया थाना रायां को उसके घर के बाहर से गिरफ्तार किया गया है।

वहीं थाना छाता पुलिस ने दो वारंटियों को गिरफ्तार किया है। शंकर पुत्र पुरुषोत्तम निवासी भदावल थाना छाता कैनाल एक्ट में वांछित चल रहा था। भूषण उर्फ बृजभूषण पुत्र स्व छिद्दी सिंह निवासी रनवारी थाना छाता विस्फोटक पदार्थ अधिनियाम में दर्ज हुए अभियोग में वांछित चल रहा था। प्रभारी निरीक्षक थाना छाता संजय कुमार त्यागी ने बताया कि अभियुक्त शंकर व भूषण उर्फ बृजभूषण को उनके मकान से गिरफ्तार किया गया।

सैकड़ों की संख्या में बृजवासी ओरछा के लिए रवाना हुए

मथुरा (राजकुमार गुप्ता):– पंडित धीरेन्द्र शास्त्री बागेश्वर धाम सरकार के बुलावे पर विश्व की सबसे बड़ी पदयात्रा मे आज श्री कृष्ण जन्मभूमी संघर्ष न्यास से सैकड़ों की संख्या में बृजवासी ओरछा के लिए रवाना हुए। जहां आज रात्रि में शास्त्री से मुलाकात करेंगे राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री दिनेश शर्मा राष्ट्रीय संगठन मंत्री अश्विनी शर्मा और जिला अध्यक्ष श्रीमती गुंजन शर्मा। जहां उन्हें कुंभ मे होने वाली धर्म संसद के लिए आमंत्रित भी किया जाएगा और जन्मभूमी मामले में दिनेश शर्मा को होने वाली प्रशासनिक पीड़ा के बारे मे भी हल निकला जाएगा। बागेश्वर धाम सरकार जन्मभूमी संघर्ष न्यास के संरक्षक मंडल के सदस्य हैं उनकी भूमिका न्यास में बहुत अहम हैं इसलिए वो व्यक्तिगत तौर पर भी न्यास से जुड़े हैं। सनातन के लिए जन्मभूमी का मुद्दा एक एहम मुद्दा है इसलिए सनातन धर्म की रक्षा के लिए हम सभी को एक करना होगा यही कार्य हम न्यास की और से करते है यही बाबा बागेश्वर उस पदयात्रा के माध्यम से कर रहे है।

अमरोहा ग्रीन का फीता काटकर किया गया उद्घाटन

अमरोहा (स.सु.):– पुलिस अधीक्षक कुँवर अनुपम सिंह की उपस्थिति में म0उ0नि0 नेहा नेहरा द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं को त्वरित पुलिस सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तथा अपराध पर प्रभावी अंकुश तथा महिलाओं को सुरक्षित माहौल के साथ–साथ त्वरित पुलिस सहायता हेतु थाना अमरोहा देहात क्षेत्रान्तर्गत अतिमहत्वपूर्ण जोया–अमरोहा रोड पर नवनिर्मित पिंक पुलिस चौकी, अमरोहा ग्रीन का फीता काटकर उद्घाटन किया गया तथा महिलाओं को समर्पित किया गया। नवनिर्मित पिंक पुलिस चौकी के माध्यम से महिलाओं की सुरक्षा को और सुदृढ़ किया जाएगा। पिंक पुलिस चौकी का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को त्वरित पुलिस सहायता उपलब्ध कराना है।

चौकी पर महिला पुलिस कर्मी ही तैनात होगीं जिससे शिकायत लेकर आने वाली महिलाओं को अपनी परेशानी बताने में किसी प्रकार की हिचक महसूस ना हो। म0उ0नि0 नीशू कादियान को चौकी इंजार्ज नियुक्त किया गया है। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा वहां उपस्थित महिलाओं/बालिकाओं को सम्बोधित करते हुए, पिंक पुलिस चौकी में निसंकोच अपनी शिकायत करने के लिए प्रेरित किया गया। पिंक पुलिस चौकी पर महिलायें तुरन्त पुलिस सहायता प्राप्त करते हुये अपनी समस्याओं का निस्तारण करवा सकती है। नवनिर्मित पिंक पुलिस चौकी की स्थापना के लिये पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा धन्यवाद दिया गया।

इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी नौगावां सादात अभिषेक कुमार, क्षेत्राधिकारी प्रशिक्षणाधीन अवधभान सिंह भदौरिया, डॉ0 देवेन्द्र सिरोही, प्रबंधक नैना सिरोही फिटनेस सेन्टर डॉ0 मोनिका सिरोही, महिला पुलिसकर्मी, शक्ति मोबाइल आदि मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने की चीनी मिल प्रभारियों के साथ वैठक घटतौली की शिकायतों पर जताई नाराजगी

अमरोहा (सु. वि.):– जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में गन्ना क्रयकेन्द्रों में मिल रही घटतौली किसानों के लिए उचित व्यवस्था सहित अन्य सुविधाओं के संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

जिलाधिकारी ने चीनी मिल प्रभारियों पर नाराजगी व्यक्त कर निर्देशित करते हुए कहा कि गन्ना क्रयकेन्द्रों पर लगातार घटतौली की शिकायतें मिल रही हैं। किसानो के लिए केंद्र पर कोई उचित व्यवस्था नहीं है अभी हाल ही में निरीक्षण करने पर पर्याप्त घटतौली मिली है। कोई शिकंजा आपके द्वारा नही कसा जा रहा है लापरवाही की जा रही है।किसानो को परेशान होना पड़ रहा है यह कतई बर्दाश्त नहीं होगा। नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि पुनः निरीक्षण किया जाएगा यदि घटतौली की यही स्थिति रही तो खैर नहीं होगी कठोर कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। चीनी मील ध्यान दें गन्ना क्रयकेन्द्रों पर की जा रही घटतौली पर पूरी तरह से रोक लगाई जाए इसमे किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

किसी भी किसान को परेशान ना होना पड़े। वैठक में पहुंचे चीनी मिल प्रभारी से जिलाधिकारी ने जानकारी ली की अभी हाल में निरीक्षण करने पर चांगीपुर के एक केंद्र पर घटतौली मिली थी उस पर आप द्वारा क्या की गई है बताया कि दो बाबू हटा दिए गए हैं।

बरेली पुल हादसा: मुख्यमंत्री तक जाएगी फाइल

बरेली–बदायूं जिले की सीमा पर बने अधूरे पुल से कार गिरने पर तीन लोगों की मौत के मामले में जिम्मेदारों पर कार्रवाई हो सकती है। घटना की जांच रिपोर्ट मुख्यमंत्री तक जाएगी। इसके बाद ही विभागीय जांच और कार्रवाई होगी। मुख्य अभियंता अजय कुमार ने प्रांतीय खंड बदायूं के अधिशासी अभियंता नरेश कुमार, सहायक अभियंता मोहम्मद आरिफ व अभिषेक कुमार, अवर अभियंता अजय गंगवार और महाराज सिंह के खिलाफ कार्रवाई की संस्तुति के साथ जांच रिपोर्ट प्रमुख अभियंता को भेज दी है। अप्रोच रोड बहने के बाद भी आवागमन बाधित करने के लिए प्रभावी अवरोधक न लगाए जाने के लिए अभियंताओं को जिम्मेदार माना गया गया है। इस मामले में शासन स्तर से कार्रवाई होनी है।

हादसे में तीन लोगों की मौत के लिए जिम्मेदार अभियंता अब सवाल उठा रहे हैं कि उन पर एफआईआर क्यों कराई गई? लोक निर्माण विभाग के अवर अभियंताओं के प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को मुख्य अभियंता से मिलकर इसे एकतरफा कार्रवाई बताते हुए नाराजगी जाहिर की।

सवाल उठाया कि कार्रवाई से पहले अभियंताओं का पक्ष क्यों नहीं सुना गया? मुख्य अभियंता अजय कुमार ने कहा कि प्राथमिक जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर कार्रवाई की संस्तुति की गई है। विस्तृत जांच में अभियंताओं का पक्ष सुना जाएगा।

सवाल उठाया कि कार्रवाई से पहले अभियंताओं का पक्ष क्यों नहीं सुना गया? मुख्य अभियंता अजय कुमार ने कहा कि प्राथमिक जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर कार्रवाई की संस्तुति की गई है। विस्तृत जांच में अभियंताओं का पक्ष सुना जाएगा।

भागवत को अपने जीवन में उतारने से होगा उद्धार : भागवत शरण महाराज

छाता/मथुरा(राजकुमार गुप्ता):– क्षेत्र के अलवाई सांखी मध्य खीर वाली मैया मन्दिर प्रांगण पर चल रही श्रीमदभागवत कथा का आज समापन दिवस रहा। कथा के अंतिम दिन श्रीमद् भागवत का रसपान पाने के लिए भक्तों का सैलाब कथा स्थल पर उमड़ पड़ा।

कथावाचक भगवत शरण जी महाराज ने श्रीमद् भागवत कथा का समापन करते हुए कई कथाओं का भक्तों को श्रवण कराया। जिसमें प्रभु कृष्ण के 16 हजार शादियां के प्रसंग के साथ, सुदामा प्रसंग और परीक्षित मोक्ष की कथायें सुनाई। वही महाराज जी ने युवा पीढ़ी की ओर इशारा करते हुए कहा कि आज के युवा अपनी संस्कृति और सभ्यता से दूर हो रहे हैं। मेरा सभी से आग्रह है कि युवा पीढ़ी समाज , ब्राह्मण गौ माता एवं धर्म का सम्मान करें और पश्चिमी सभ्यता में न बहे क्रोध के कारण संत ब्राह्मण या धर्म का अपमान ना करें, चाहे वह भगवान के ही वंशज यदुवंशी ही क्यों ना हो उन्होंने 24 गुरुओं के द्वारा मानव जीवन सुलभ जीने के लिए बहुत ही सुंदर शिक्षा बताई। और कहां धर्मो रक्षति रक्षति ।साथ ही भक्तो को बताया कि श्रीमद् भागवत कथा का सात दिनों तक श्रवण करने से जीव का उद्धार हो जाता है, तो वहीं इसे कराने वाले भी पुण्य के भागी होते है।

इन कथाओं को सुनकर सभी भक्त भाव विभोर हो गए। कथा समापन के दौरान महंत निकुंज बिहारी, मोहनदास बाबा, नारायण दास, बलराम बाबा, ग्वारिया बाबा,राधिका शरण बाबा ,विजेंद्र पुजारी, विजय पुजारी आदि मौजूद रहे।

आवश्कता, नाम परिवर्तन, खोया–पाया, सार्वजनिक सूचना विज्ञापन कम दरों में

सब का सपना क्लासीफाइड के साथ लाखों तक पहुँचाइये अपनी बात

अपना विज्ञापन बुक करवाने के लिये संपर्क करें

9456884327

भाकियू भानु के किसानों ने बिजली घर पर काटा हंगामा

मथुरा (राजकुमार गुप्ता):– बिजली कनेक्शन काटने पर भारतीय किसान यूनियन भानु के किसानों ने मथुरा कैंट बिजलीघर घेर लिया और जमकर हंगामा किया।

बुधवार को भारतीय किसान यूनियन भानु के बैनर तले कार्यकर्ताओं ने अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आक्रोश जताया। भारतीय किसान यूनियन भानु तहसील अध्यक्ष महिपाल सिंह का विद्युत कनेक्शन काटने पर किसान भड़क गए। इसके बाद किसान धरने पर बैठ गए। बिजली विभाग के एसडीओ सौरभ को किसानों ने बंधक बना लिया। एसडीओ सौरभ ने किसान के कनेक्शन जोड़ने का आश्वासन दिया।भारतीय किसान यूनियन भानु के राष्ट्रीय अधिवक्ता हरेश ठेनुआँ व जिला अध्यक्ष देवेंद्र पहलवान व महानगर अध्यक्ष विजय सिंघल के नेतृत्व में भारतीय किसान यूनियन भानु सुबह करीब ग्यारह बजे मथुरा कैंट बिजली घर पहुंच गए।

भारतीय किसान यूनियन भानु के बैनर तले कार्यकर्ताओं ने अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आक्रोश जताया। भारतीय किसान यूनियन भानु तहसील अध्यक्ष महिपाल सिंह का विद्युत कनेक्शन काटने पर किसान भड़क गए। इसके बाद किसान धरने पर बैठ गए। बिजली विभाग के एसडीओ सौरभ को किसानों ने बंधक बना लिया। एसडीओ सौरभ ने किसान के कनेक्शन जोड़ने का आश्वासन दिया।भारतीय किसान यूनियन भानु के राष्ट्रीय अधिवक्ता हरेश ठेनुआँ व जिला अध्यक्ष देवेंद्र पहलवान व महानगर अध्यक्ष विजय सिंघल के नेतृत्व में भारतीय किसान यूनियन भानु सुबह करीब ग्यारह बजे मथुरा कैंट बिजली घर पहुंच गए।

भारतीय यूनियन के किसानों ने उपखंड अधिकारी एसडीओ सौरभ ओरंगाबाद किसानों के बिधुत कनेक्शन जोड़ने की चेतावनी दी। बिजली विभाग के एसडीओ आश्वासन दिया है। किसान यूनियन के पदाधिकारी व कार्यकर्ता शैलेंद्र मिश्रा जगदीश रावत संतोष कुमार रमेश सिंह सिकरवार महिपाल प्रधान गिर्राज सिंह साहब सिंह शकुंतला माहौर आदि किसान उपस्थित रहे।

अपने संस्थान को

दे नई तरक्की

एजुकेशन के विज्ञापन बुक करायें

विज्ञापन हेतु संपर्क करें–

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें–9456884327

श्री कृष्ण जन्मभूमि की मुक्ति के लिए अपनी आवाज की बुलंद

मथुरा : बुधवार को वृंदावन स्थित केशवधाम में अंतरराष्ट्रीय धर्म संसद में शामिल हुए आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि अगर मोदी प्रधानमंत्री ना होते तो आज रामलला की प्राण प्रतिष्ठा ना होती।उन्होंने श्री कृष्ण जन्मभूमि वाद के पैरोकार एडवोकेट महेंद्र प्रताप की सराहना करते हुए कहा कि धन्य है वह माता-पिता जिन्होंने इनको जन्म दिया अवध में राम विराज गए हैं। संभल में भगवान कल्कि के मंदिर का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है और अब बहुत जल्द मथुरा में श्री कृष्ण जन्मभूमि के मंदिर का निर्माण भी होगा। इस दौरान एडवोकेट महेंद्र प्रताप ने श्री कृष्ण जन्मभूमि पर बना रही फिल्म का टीचर भी रिलीज किया।

अंतर्राष्ट्रीय धर्म संसद में शामिल हुए तमाम संतों ने अपने विचार रखें। इसी में स्पेन से आए उमेश योगी जी महाराज ने कहा कि यह सामान्य धर्म संसद नहीं है। इस धर्म संसद से श्री कृष्ण जन्मभूमि के निर्माण का रास्ता खुलेगा। भारत ही नहीं विदेश में हिंदू संगठन बनाए जा रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया में 90 हजार लोगों का हिंदू संगठन है, जो सनातन की रक्षा के लिए काम कर रहा है।श्री कृष्ण दास जी महाराज ने कहा कि हमारी लड़ाई 13.37 एकड़ को लेकर नहीं है, लेकिन 2.5 एकड़ में जो मस्जिद बनी हुई है उसे लेकर है। क्योंकि 2.5 एकड़ में ही भगवान श्री कृष्ण का मूल गर्भ ग्रह है और हमें भगवान श्री कृष्ण का वास्तविक स्थान चाहिए। इसका संदेश प्रयागराज कुंभ में आने वाले संतों तक भी पहुंचाया जाएगा।

> श्री कृष्ण जन्मभूमि वाद के पैरोकार एडवोकेट महेंद्र प्रताप की सराहना करते हुए कहा कि धन्य है वह माता-पिता जिन्होंने इनको जन्म दिया अवध में राम विराज गए हैं। संभल में भगवान कल्कि के मंदिर का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है और अब बहुत जल्द मथुरा में श्री कृष्ण जन्मभूमि के मंदिर का निर्माण भी होगा।

तो वहीं, बाबा कर्म योगी जी महाराज ने कहा कि सनातन को एकजुट करने और अपने मंदिर का मूल गर्भ ग्रह पाने के लिए हमारे कदम आज आगे निकल चुके हैं, लेकिन वह डगमगाए नहीं इसके लिए हर सनातनी को घर-घर कर जाकर जागना होगा। संतों ने कहा कि मुगलों ने हमारे हर धार्मिक स्थल पर प्रहार किया और जहां-जहां हमारे मंदिर थे, उन्हें तोड़कर मस्जिदों का निर्माण किया। इसके लिए हम लड़ रहे हैं। 4 लाख मंदिरों का पुनर्निर्माण करना है, जिनको तोड़कर मस्जिद बनाई गई है।

रोजगार मेलों के दौरान 24 लाख से अधिक अभ्यर्थियों को अनंतिम रूप से चुना गया

नई दिल्ली। केंद्रीय कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि पिछले पांच वर्षों के दौरान आयोजित रोजगार मेलों के दौरान 24 लाख से अधिक अभ्यर्थियों को अनंतिम रूप से चुना गया है।

राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में सिंह ने बताया कि श्रम और रोजगार मंत्रालय के पास उपलब्ध जानकारी के अनुसार 2019-20 से 2023-24 के दौरान पिछले पांच वर्ष में राज्य रोजगार कार्यालयों / मॉडल करियर केंद्रों द्वारा 34,809 रोजगार मेले आयोजित किए गए। उन्होंने कहा कि रोजगार मेले श्रम और रोजगार मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत राष्ट्रीय करियर सेवा (एनसीएस) परियोजना के हिस्से के रूप में आयोजित किए जाते हैं।

जितेंद्र सिंह ने कहा कि पांच साल की अवधि में नौकरी के इच्छुक 26,83,161 लोगों और 83,913 नियोक्ताओं ने रोजगार मेलों में भाग लिया और 24,37,188 उम्मीदवारों को अनंतिम रूप से चुना गया है।

ममता बनर्जी ने वक्फ विधेयक को बताया 'धर्मनिरपेक्षता विरोधी', कहा- छिन जाएंगे मुसलमानों के अधिकार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को वक्फ (संशोधन) विधेयक को ''धर्मनिरपेक्षता विरोधी'' बताते हुए दावा किया कि इससे मुसलमानों के अधिकार छिन जाएंगे। बनर्जी ने विधानसभा में यह भी कहा कि केंद्र ने इस मामले पर राज्यों से परामर्श नहीं किया।

उन्होंने कहा, ''संघीय ढांचे के विपरीत और धर्मनिरपेक्षता विरोधी है तथा यह एक खास वर्ग को बदनाम करने का जानबूझकर किया गया प्रयास है। इससे मुसलमानों के अधिकार छिन जाएंगे... केंद्र ने वक्फ विधेयक पर हमसे परामर्श नहीं किया।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि ''अगर किसी धर्म पर हमला हुआ तो'' वह पूरे दिल से इसकी निंदा करेंगी।

विपक्षी दलों ने मौजूदा वक्फ अधिनियम में विधेयक द्वारा प्रस्तावित संशोधनों की कड़ी आलोचना की है तथा आरोप लगाया है कि ये संशोधन मुसलमानों के धार्मिक अधिकारों का उल्लंघन करते हैं। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दावा किया है कि संशोधन से वक्फ बोर्ड के कामकाज में पारदर्शिता आएगी और वे जवाबदेह बनेंगे। विवादास्पद विधेयक की जांच के लिए एक संसदीय समिति गठित की गई है।

स्पीकर संधवां ने पंजाब विधानसभा में आईं स्कूल और कॉलेज छात्राओं से की मुलाकात

पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां ने चंडीगढ़ और मोहाली के स्कूलों और कॉलेजों से पंजाब विधानसभा का दौरा करने आई लगभग 30 छात्राओं से मुलाकात की और उन्हें अपने लक्ष्य ऊंचे रखने और जीवन में सफल होने के लिए प्रेरित किया, ताकि वे अच्छे नागरिक बनकर देश की सेवा कर सकें।

लोगों की भलाई के लिए काम कर रही एक स्वयंसेवी संस्था से जुड़ी इन छात्राओं के एक समूह ने पंजाब विधानसभा का दौरा किया। विधानसभा अध्यक्ष संधवान ने इन छात्राओं से बातचीत करते हुए उन्हें राजनीतिज्ञ, व्यवसायी, आईएएस, पीसीएस, डॉक्टर और वैज्ञानिक बनने के लिए प्रेरित भी किया।

स्पीकर संधवान ने कहा कि आज के विद्यार्थी ही कल के नेता हैं। उन्होंने कहा कि यह अच्छा संकेत है कि विद्यार्थी राजनीति में प्रवेश करने में रुचि रखते हैं।

को जागरूक रहने के लिए प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा कि राजनीति में रुचि रखने वालों के लिए राज्य और देश में घटित होने वाली कानूनी, राजनीतिक और अन्य घटनाओं पर कड़ी नजर रखना बहुत जरूरी है। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अलग-अलग घटनाओं पर नजर रखना और एक नजरिया विकसित करना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि देश में घटित होने वाली हर घटना राजनीति से जुड़ी हुई है, इसलिए अगर छात्रों की राजनीति में रुचि है तो उन्हें आगे बढ़कर देश में क्या हो रहा है, यह जानने का प्रयास करना चाहिए। अध्यक्ष ने कहा कि अगर युवा राजनीति में उतरेंगे तो राजनीति के काम करने के तरीके में बड़ा बदलाव आएगा।

स्पीकर से बातचीत के दौरान जब चंडीगढ़ के सेक्रेड हार्ट सीनियर सेकेंडरी स्कूल की पांचवीं कक्षा की छात्रा राधिका ने राजनीति में आने और पंजाब विधानसभा की स्पीकर बनने की इच्छा जताई तो संधवां ने उसे स्पीकर की कुर्सी पर बैठने के लिए कहा और उसे वीआईपी रूट से ले जाकर स्पीकर की कुर्सी पर बैठाया गया और वहां मौजूद सभी विद्यार्थियों को विधायी कार्य, विपक्ष और सत्ता पक्ष आदि के बारे में जानकारी भी दी गई।

सरकारी नौकरी का सुनहरा मौका! छत्तीसगढ़ के 19 विभागों के हजारों पदों पर निकली भर्ती

छत्तीसगढ़ के उन युवाओं के लिए खुशखबरी आई है, जो सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे हैं और उनकी तलाश पूरी नहीं हो रही है। ऐसे युवाओं के लिए सरकारी नौकरी पाने का एक सुनहरा मौका आया है। दरअसल, छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार ने विभिन्न विभागों के अलग-अलग पदों पर बड़े पैमाने पर भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने खुद सोशल मीडिया पर इस बात की जानकारी दी है। आज नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण, विद्युत निरीक्षक कार्यालय एवं न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) में कुल 151 पदों पर भर्ती को स्वीकृति दी है।

इन नई भर्तियों से न केवल विभागों की दक्षता और कार्यक्षमता बढ़ेगी, बल्कि विभिन्न विकासात्मक परियोजनाओं को नई दिशा और गति भीड्ड

इन 3 विभागों में भी होगी भर्तीसीएम विष्णुदेव साय ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए इसके बारे में बताया। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार की पहल पर प्रदेश के वित्त विभाग ने 19 विभागों में 8,971 पदों पर भर्ती के लिए मंजूरी दे दी है। उन्होंने आगे बताया कि इसके साथ ही नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण (ठफ्क्ळ), विद्युत निरीक्षक कार्यालय और न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला (ाख्छ) में कुल 151 पदों पर भर्ती को भी मंजूरी दी गई है। जल्द ही इन 3 विभागों में 151 अलग-अलग पदों पर भर्ती के लिए प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। सीएम विष्णुदेव साय ने अपनी इस पोस्ट में लिखा कि इन नई भर्तियों से न केवल विभागों की ताकत और कार्यक्षमता बढ़ेगी, बल्कि कई अलग-अलग विकासात्मक प्रोजेक्ट को भी नई दिशा और रफ्तार मिलेगी।

बिहार ने रचा इतिहास! अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले 2024 में जीता गोल्ड मेडल

बिहार ने एक बार फिर से इतिहास रच दिखाया है। दरअसल, दिल्ली के अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले के समापन समारोह में बिहार ने शानदार प्रदर्शनी के लिए गोल्ड मेडल जीता है। बिहार के क्क्ळ-2024 प्रोजेक्ट के नोडल अधिकारी निखिल धनराज निपाणीकर ने बुधवार को सम्मान समारोह में गोल्ड मेडल लिया। इस मौके पर बिहार के उद्योग विभाग की सचिव वंदना प्रेयसी और उद्योग निदेशक आलोक रंजन घोष भी मौजूद रहे।

राज्य में इन्वेस्टमेंट-फ्रेंडली पॉलिसी लागू : अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में बिहार के गोल्ड मेडल जीतने पर सचिव वंदना प्रेयसी ने खुशी जाहिर करते हुए क्क्ळ-2024 को धन्यवाद किया है। उन्होंने कहा कि बिहार ने पिछले कुछ सालों में काफी प्रगति की है। हम साल 2047 तक बिहार को विकसित राज्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसके लिए राज्य में इन्वेस्टमेंट-फ्रेंडली पॉलिसी लागू की जा रही है।

उन्होंने बताया कि बिहार में लगातार निवेश बढ़ रहा है। बिहार को विकसित राज्य बनाने के लिए प्रदेश में निवेशकों को आमंत्रित किया जा रहा हैं।

बिहार बना निवेशकों की पहली पसंद वहीं बिहार के उद्योग निदेशक आलोक रंजन घोष ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में बिहार को मिले इस सम्मान को लेकर हम सभी बहुत खुश है। इससे 2047 के बिहार के विकास के लक्ष्य को पाने में मजबूती मिलेगी। बिहार को कला और संस्कृति के लिए जाना जाता है, इस लिए आज यह निवेशकों की भी पहली पसंद बना हुआ है। राज्य का विकास निवेशकों को आगे बढ़ने के नए-नए मौके देगा।

बिहार मंडप का उद्घाटन: बता दें कि हाल ही में बिहार के उद्योग और पर्यटन मंत्री नीतीश मिश्रा ने बिहार मंडप और सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन किया। ये कार्यक्रम पूरे अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में आकर्षण का केंद्र बना रहा। मालूम हो कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में इस साल बिहार पार्टनर स्टेट था। इसलिए बिहार मंडप को ट्रेड फेयर की थीम विकसित भारत 2047 के हिसाब से तैयार किया गया था।

जरूरी खबरें

सरकारी स्कूल की दीवार गिरने से तीन श्रमिकों की मौत

जयपुर। राजस्थान के जालोर जिले में बृहस्पतिवार को एक हादसे में तीन श्रमिकों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि यह हादसा सायला थाना इलाके में पोषाणा गांव में हुआ। थाना प्रभारी महेंद्र सिंह ने बताया कि पोषाणा गांव के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में भवन निर्माण का काम किया जा रहा था तभी बृहस्पतिवार सुबह भवन की एक निर्माणाधीन दीवार गिर गई जिससे वहां काम कर रहे चार श्रमिक मलबे में दब गए।

हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मलबे में

दबे मजदूरों को बाहर निकाला। उन्होंने बताया कि हादसे में श्रमिक मोहनलाल, भैराराम व बीरमाराम की मौत हो गई और घायल जगदीश की हालत खतरे से बाहर है।

इंदौर में इंस्पेक्टर से डिजिटल अरेस्ट की कोशिश, गिरफ्तारी के नाम पर धमकाया

इंदौर जिले में हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां साइबर अपराधियों ने एक पुलिस इंस्पेक्टर को डिजिटल अरेस्ट करने की कोशिश की। साइबर अपराधियों ने स्पेशल टास्क फोर्स (रब्ठ) के चीफ इंस्पेक्टर को ही फोन लगा दिया। लेकिन प्रधान आरक्षक सुरेश मिश्रा जागरूक होने की वजह से बच गए। उनको बेटे और दोस्त की गिरफ्तारी के नाम पर धमकाने की कोशिश की गई। सुरेश मिश्रा को एक अनजान नंबर से कॉल आई थी। जैसे ही उन्होंने कॉल पिक की, सामने से आवाज आई कि इस वक्त बेटा कहां है, पता है आपको? इस पर पुलिस अधिकारी कहते है कि पता नहीं, शायद बेंगलुरु में होगा। इस पर कॉलर कहता है कि वह मेरी कस्टडी में है। बात करोगे बेटे से।

जवाब में पुलिस अधिकारी कहते हैं कि उसे क्यों अरेस्ट किया है? कॉलर फिर से उनको बेटे से बात करने को कहता है। इसके बाद पुलिस अधिकारी कहते हैं कि बेटे से बात करवाइए। इसी बीच दूसरे शख्स की आवाज भी आती है। कॉलर फिर उनको बात करने के लिए कहता है। इसी बीच ट्रैफिक का शोर सुनाई देता है, जिसके बाद सामने से एक शख्स के रोने की आवाज आती है। वह कहता है कि पापा, पुलिसवाले

मुझे मार रहे हैं। पुलिस अधिकारी रो रहे शख्स से कहते हैं कि क्या हुआ बेटा? तभी दूसरे शख्स की आवाज आती है।

पुलिस अधिकारी कहते हैं कि तुम लोग उसे मार क्यों रहे हो। इसी बीच दूसरी ओर से आवाज आती है कि इसका क्या करना है अभी? पुलिस अधिकारी फिर पूछते हैं कि इसने क्या किया है? तभी बीच-बीच में शोर होता है। इसके बाद पुलिस अधिकारी फिर अपने बेटे के बारे में पूछते हैं। सामने वाला फिर से मैटर बताने की बात कहता है। तभी कॉल कट जाती है। पूरा वीडियो एक मिनट 28 सेकंड का है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। यह पहली बार नहीं है, पुलिस अधिकारियों को डिजिटल अरेस्ट करने की कोशिश के मामले पहले भी सामने आ चुके हैं।

सौतेली मां को 'अम्मी' नही कहा तो बेटे को मौत के घाट उतारा, पिता को कोर्ट ने दी ये सजा

मथुरा: मुंबई की एक स्थानीय अदालत ने एक व्यक्ति अपने बेटे की हत्या के आरोप में आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। व्यक्ति पर आरोप था कि उसने अपने बेटे की कैंची घोंपकर 2018 में हत्या कर दी थी क्योंकि उसने अपनी सौतेली मां को अम्मी कहने से इंकार कर दिया था। मृतक का नाम इमरान शेख था और वह 20 साल का था।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 2018 में 49 साल के इमरान शेख नामक शख्स ने अपने 20 साल के सलीम अली शेख की कैंची घोंपकर हत्या कर दी थी। मामले की सुनवाई करते हुए जज एसडी तवशीकर ने कहा यह चिंता की बात है क्योंकि यह घटना भीड़भाड़ वाले इलाके में रात को 9:30 बजे हुई, लेकिन किसी ने जांच अधिकारी को इस बारे में स्वेच्छा से जानकारी नहीं दी। कोर्ट ने कहा कि पुलिस का केस के संबंध में जानकारी के लिए मां के पास जाना, घटनास्थल पर मौजूद भीड़ से बार-बार यह पूछना कि उस रात में क्या हुआ? यह दिखाता है कि समाज का स्तर कितना गिर गया है? यह हमारे समाज के लापरवाह पूर्ण रवैये को भी दिखाता है।

कोर्ट ने मां की दलीलों पर क्या कहा? वहीं इस घटना को लेकर आरोपी की पत्नी भी मृतक के खिलाफ थी। मृतक की सौतेली मां ने कोर्ट को बताया कि उसका बेटा नशे में था और इस दौरान उसका उसके पिता से झगड़ा हो गया। उसने गुस्से में आकर खुद ही अपने पेट कैंची घोंप ली। उसने दावा किया कि जब उसके बेटे ने आरोपी से लड़ाई शुरू की तो वह थाने चली गई। सुनवाई के दौरान जज ने महिला को बदकिस्मत बताते हुए कहा वह दोहरी दुविधा में फंसी हुई है।

शादी में पटाखे से आग का गोला बनी कार, वायरल हुआ वीडियो

मुरादाबाद : खुशी के मौके पर जमकर पटाखे जलाए जाते हैं लेकिन अगर पटाखों को जलाते वक्त लापरवाही की जाए तो ये लापरवाही भारी पड़ सकती है। ऐसा ही एक मामला सामने आया है, जब शादी के दौरान पटाखे जलाए गए तो एक गलती की वजह से कार आग का गोला बन गई। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो सहारनपुर का बताया जा रहा है। बरात के दौरान पटाखे जलाए गए, इस दौरान वहां से कई गाड़ियां और लोग आते जाते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में दिखाई दे रहा है कि एक दूल्हे के लिए सजाई गई कार भी खड़ी है। पटाखों की वजह से कार में आग लग गई।

देखते ही देखते कार आग के की चपेट में आ गई। ड्राइवर कार से कूद अपनी जान बचाई। वहीं महंगी कार जलकर खाक हो गई। वीडियो में दिखाई दे रहा है कि कार में आग लगने के बाद लोग असहाय हो गए। लोगों की आंखों के सामने कार में आग लगी और कार जल गई लेकिन कोई कुछ नहीं कर पाया।

संपादकीय

राजनीति में युवा

भारत युवा आबादी वाला देश है तो राजनीति में युवाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाया जाना आवश्यक है। रविवार को मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ठीक ही कहा कि विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। जब युवा दिमाग एकजुट होकर देश के भविष्य की यात्रा के बारे में विचार-विमर्श करते हैं, तो सकारात्मक रूप से ठोस रास्ते निकलते हैं।

> विकसित भारत के लिए आवश्यक है कि युवा लोग औपचारिक राजनीतिक प्रक्रियाओं में शामिल हों और आज और कल की राजनीति को तैयार करने में उनकी भूमिका हो। समावेशी राजनीतिक भागीदारी न केवल एक मौलिक राजनीतिक और लोकतांत्रिक अधिकार है, बल्कि स्थिर और शांतिपूर्ण समाजों के निर्माण और युवा पीढ़ियों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने वाली नीतियों को विकसित करने के लिए भी महत्वपूर्ण है।राजनीतिक संस्थाओं, प्रक्रियाओं और निर्णय लेने में युवाओं का पर्याप्त प्रतिनिधित्व हो, इसके लिए उन्हें अपने अधिकारों के बारे में पता होना चाहिए और उन्हें सभी स्तरों पर सार्थक तरीके से भाग लेने के लिए आवश्यक ज्ञान और क्षमता दी जानी चाहिए।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से युवाओं से राजनीति में आने का आग्रह किया था। राजनीति में प्रवेश करने के लिए युवाओं में रुचि विकसित करने के प्रयास के तहत अगले साल स्वामी विवेकानंद की जयंती पर की जाने वाली पहल 'विकसित भारत युवा नेता संवाद' स्वागत योग्य है। इसमें पूरे भारत से युवा हिस्सा लेंगे। एक लाख युवाओं को, नए युवाओं को राजनीति से जोड़ने के लिए देश में कई विशेष अभियान चलाए जाएंगे। इससे युवाओं को सीधे अपने विचार हमारे सामने रखने का अवसर मिलेगा। इन विचारों को देश कैसे आगे बढ़ा सकता है?

वास्तव में जो भारत का भविष्य बनाने वाले हैं, जो देश की भावी पीढ़ी हैं, उनके लिए यह एक उत्तम अवसर है। कनाडा, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, स्विट्जरलैंड और आस्ट्रेलिया ऐसे कुछ प्रमुख देश हैं, जहां 18 साल का पड़ाव पार करते ही चुनाव लड़ने की अर्हता प्राप्त हो जाती है। वहीं, अमेरिका के कुछ राज्यों, ब्राजील और इंडोनेशिया में 21 वर्ष की आयु सीमा चुनाव लड़ने के लिए न्यूनतम आयु वर्ग के रूप में स्वीकार्य है।

विकसित भारत के लिए आवश्यक है कि युवा लोग औपचारिक राजनीतिक प्रक्रियाओं में शामिल हों और आज और कल की राजनीति को तैयार करने में उनकी भूमिका हो। समावेशी राजनीतिक भागीदारी न केवल एक मौलिक राजनीतिक और लोकतांत्रिक अधिकार है, बल्कि स्थिर और शांतिपूर्ण समाजों के निर्माण और युवा पीढ़ियों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने वाली नीतियों को विकसित करने के लिए भी महत्वपूर्ण है।राजनीतिक संस्थाओं, प्रक्रियाओं और निर्णय लेने में युवाओं का पर्याप्त प्रतिनिधित्व हो, इसके लिए उन्हें अपने अधिकारों के बारे में पता होना चाहिए और उन्हें सभी स्तरों पर सार्थक तरीके से भाग लेने के लिए आवश्यक ज्ञान और क्षमता दी जानी चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं कि युवाओं को राजनीति से जोड़ना किसी भी दृष्टि से श्रेयस्कर होगा। इससे नीति निर्माण में उनकी आकांक्षाओं की सहज रूप से अभिव्यक्ति हो सकेगी।

गम है न अब खुशी है न उम्मीद है न यास, सब से नजात पाए ज़माने गुज़र गए...

योगेश शर्मा

खुमार साहब के बीते सुनहरे कल पर नजर डालें तो 15 सितम्बर 1919 को जन्मे खुमार बाराबंकवी का मूल नाम मोहम्मद हैदर खान था। बाराबंकी को अन्तर्राष्ट्रीय पटल पर पहचान दिलाने वाले अजीम शायर खुमार बाराबंकवी को प्यार से बेहद करीबी लोग 'दुल्लन' भी बुलाते थे। उनके समय के लोग बताते हैं कि उन्होने शहर के सिटी इंटर कालेज से आठवीं तक शिक्षा ग्रहण की। इसके पश्चात वह राजकीय इंटर कालेज से कक्षा 10 की परीक्षा उत्तीर्ण की।

खुमूसियत थी शहंशाह ए गजल खुमार बाराबंकवी की कि वह महफिल का नहीं बल्कि महफिल उनका इंतजार करती और उनके आने के बाद महफिल उन्ही की होकर रह जाती थी। एक बार और फरमाएं, सुनने की उन्हे आदत पड़ चुकी थी, वास्तव में वह शायरी से भी ऊपर थे और गजल उनके अल्फाजों की मोहताज।

मिजाज के तो क्या कहने, किसी ने आदाब किया नहीं कि उसे एवज में ढेर सारी दुआएं हासिल हो जाती थीं। सादा लिबास और पान के शौकीन। विदेश तक मोर्चा संभाल आए, बाराबंकी देश का नाम रोशन कर आए, फिल्मों में उनके लिखे गीत गाए गए पर आज बाराबंकी वासी खासकर उर्दू अदब से जुड़े लोग सिर्फ जन्म और अंतिम दिन याद करते हैं। वास्तव में वह इससे भी ज्यादा इज्जत और मोहब्बत के हकदार थे।

कल 15 सितंबर को जनाब खुमार बाराबंकवी की यौम ए पैदाइश का दिन है। शहर की मुख्य कर्बला में उन्हे दफन किया गया, वहीं पर समाधि बनी हुई है। फजलुर्रहमान पार्क से पहले उनका पुराना घर था जो अब पहचान खो चुका लेकिन उनके नाम की तख्ती आज भी लगी हुई है। आगे की पीढ़ी उनका नाम नहीं चला सकी लेकिन उर्दू अदब से जुड़े लोग ही उनके व्यक्तित्व को बखूबी जानते और समझते हैं।

खुमार साहब के बीते सुनहरे कल पर नजर डालें तो 15 सितम्बर 1919 को जन्मे खुमार बाराबंकवी का मूल नाम मोहम्मद हैदर खान था। बाराबंकी को अन्तर्राष्ट्रीय पटल पर पहचान दिलाने वाले अजीम शायर खुमार बाराबंकवी को प्यार से बेहद करीबी लोग 'दुल्लन' भी बुलाते थे। उनके समय के लोग बताते हैं कि उन्होने शहर के सिटी इंटर कालेज से आठवीं तक शिक्षा ग्रहण की।

इसके पश्चात वह राजकीय इंटर कालेज से कक्षा 10 की परीक्षा उत्तीर्ण की। हाईस्कूल पूरा कर लखनऊके जुबली इंटर कालेज में दाखिला लिया पर उनका मन पढ़ाई में नहीं लगा।वर्ष 1938 से ही वह मुशायरे में जाने लगे। उन्होने अपना पहला मुशायरा बरेली में पढ़ा। पहला शेर 'वाकिफ नहीं तुम अपनी निगाहों के असर से, इस राज़ को पूछो किसी बरबाद नजर से' रहा। कम समय अंतराल में ही वह बाराबंकी फिर यूपी के बाद पूरे मुल्क में मशहूर हो गये। खुमार साहब का 'तरन्नुम' गजब का रहा इसलिए वह जल्द ही बड़ों का मुकाबला करने लगे। बड़े शायरों के बाद अगर किसी को तवज्जो दी जाती थी तो वो खुमार साहब ही थे। महान शायर और गीतकार मजरूह सुलतानपुरी उनके अज़ीज़ दोस्त थे।

जितना बड़ा क़द विनम्रता की उतनी ही बड़ी मूरत, कभी-कभी तो मुशायरों में उन्हे घंटों तक गज़ल पढ़नी पड़ती थी, लोग उठने ही नहीं देते थे। हर मिसरे के बाद आदाब कहने की इनकी अदा इन्हें बाकियों से मुख्तलिफ़ करती। अपने जीवन काल में खुमार साहब ने कुछ फ़िल्मों के गीत भी लिखे। 1942-43 में प्रख्यात फिल्म निर्देशक एआर अख्तर ने उन्हे मुम्बई बुला लिया। यहाँ से शुरूहुआ उनका फ़िल्मी सफ़र। फ़िल्म 'बारादरी' के लिये लिखा गया उनका यह गीत 'तस्वीर बनाता हूँ, तस्वीर नहीं बनती' आज भी लोगों के दिलों में बसा है। इसके अलावा भी तमाम गीत आज भी हमारी ज़िन्दगी में रस घोल देते हैं। खुमार साहब ने चार पुस्तकें भी लिखीं ये पुस्तकें शब-ए-ताब, हदीस-ए-दीगर, आतिश-ए-तर और रख्स-ए-मचा हैं।

खुमार की पुस्तकें कई विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम में शामिल की गई। उन्हें ढेर सारे मंचों पर तरह तरह के सम्मान हासिल हुए। वर्ष 1992 में दुबई में खुमार की प्रसिद्धि और कामयाबी के लिये जश्न मनाया गया। 25 सितम्बर 1993 को बाराबंकी जिला मुख्यालय पर जश्न-ए-खुमार का आयोजन हुआ, इस आयोजन में तत्कालीन गवर्नर मोतीलाल वोरा ने एक लाख की धनराशि व प्रशस्ति पत्र देकर खुमार साहब को सम्मानित किया। इसी बीच उन्हे शहंशाह ए गजल का खिताब भी मिला। दुखद पहलू यह कि इतने बड़े नामचीन शायर और हस्ती खुमार बाराबंकवी का अंतिम समय काफी कष्टप्रद रहा। करीबी बताते हैं कि मौत के एक साल पहले से ही उन्होंने खाना पीना छोड़ दिया था। 13 फ़रवरी 99 को उनकी काफी हालत गंभीर हो गई। लखनऊके मेडिकल कालेज में 19 फ़रवरी की रात उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया।

बिजनेस

अदाणी समूह की कंपनियों के शेयरों में तेजी

नीलामी में खरीदे गए स्पेक्ट्रम के लिए बैंक गारंटी की आवश्यकता को किया समाप्त

नई दिल्ली। अदाणी समूह की बाजार में सूचीबद्ध सभी कंपनियों के शेयर में बुधवार को शुरुआती कारोबार में तेजी दर्ज की गई। बीएसई पर अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस का शेयर 7.71 प्रतिशत, अदाणी पावर का 5.96 प्रतिशत, अदाणी टोटल गैस का 4.70 प्रतिशत, अदाणी ग्रीन एनर्जी का 4.34 प्रतिशत और अदाणी एंटरप्राइजेज का 4.15 प्रतिशत चढ़ा। एनडीटीवी के शेयर में 3.61 प्रतिशत, अदाणी विल्मर में 2.78 प्रतिशत, अंबुजा सीमेंट्स में 1.92 प्रतिशत, अदाणी पोर्ट्स में 1.67 प्रतिशत, सांघी इंडस्ट्रीज में 1.71 प्रतिशत और एसीसी में 1.37 प्रतिशत की तेजी आई। अदाणी समूह की सभी कंपनियों के शेयरों में मंगलवार को गिरावट आई थी।

अदाणी ग्रीन एनर्जी का शेयर सबसे अधिक सात प्रतिशत लुढ़क गया था। इस बीच, अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने बुधवार को कहा कि अरबपति गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर अदाणी पर कथित रिश्वतखोरी के मामले में अमेरिका के विदेशी भ्रष्ट आचरण अधिनियम (एफसीपीए) के उल्लंघन का कोई आरोप नहीं लगाया गया है।

कंपनी ने कहा कि उन पर प्रतिभूति धोखाधड़ी के तहत आरोप लगाया गया है जिसमें मौद्रिक दंड लगाया जाना शामिल है। अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि वे खबरें ''गलत'' हैं जिनमें दावा किया गया है कि इन तीनों पर एफसीपीए उल्लंघन का आरोप लगाया गया है।

उन पर ऐसे अपराधों का आरोप लगाया गया है जिनके लिए आर्थिक जुर्माना या दंड का प्रावधान है।कंपनी की सूचना के अनुसर, ''गौतम अदाणी, सागर अदाणी और विनीत जैन पर अमेरिकी न्याय मंत्रालय के अभियोग या अमेरिकी एसईसी की सिविल शिकायत में निर्धारित आरोपों के अनुसार एफसीपीए के किसी भी उल्लंघन का आरोप नहीं लगाया गया है।''इसमें कहा गया है, '' इन निदेशकों पर आपराधिक अभियोग में तीन आरोप लगाए गए हैं। उन पर प्रतिभूति धोखाधड़ी का षड्यंत्र रचना, वायर धोखाधड़ी का षड्यंत्र रचना, और प्रतिभूति धोखाधड़ी का आरोप है।'' अदाणी समूह ने सभी आरोपों से इनकार किया और कहा कि वह अपने बचाव के लिए हर संभव कानूनी मदद लेगा।

> इन निदेशकों पर आपराधिक अभियोग में तीन आरोप लगाए गए हैं। उन पर प्रतिभूति धोखाधड़ी का षड्यंत्र रचना, वायर धोखाधड़ी का षड्यंत्र रचना, और प्रतिभूति धोखाधड़ी का आरोप है।'' अदाणी समूह ने सभी आरोपों से इनकार किया और कहा कि वह अपने बचाव के लिए हर संभव कानूनी मदद लेगा।

नई दिल्ली।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2022 से पहले आयोजित नीलामी के जरिये खरीदे गए स्पेक्ट्रम के लिए बैंक गारंटी जमा करने की आवश्यकता से छूट दे दी है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। इस कदम से कर्ज में डूबी वोडाफोन-आइडिया को बड़ी राहत मिली है क्योंकि उसने अक्टूबर 2025 से सितंबर 2026 के बीच होने वाले स्पेक्ट्रम भुगतान के लिए 24,746.9 करोड़ रुपये की बैंक गारंटी जमा करने की समयसीमा पहले ही पार कर ली है।

इस निर्णय से भारती एयरटेल और रिलायंस जियो को भी राहत मिलेगी, जिन्होंने 2022 से पहले आयोजित विभिन्न नीलामियों के माध्यम से रेडियो तरंगें खरीदी हैं। एक सूत्र ने कहा, '' मंत्रिमंडल ने दूरसंचार कंपनियों द्वारा मांगी गई राहत पर गौर करने के बाद बैंक गारंटी की आवश्यकता का समाप्त कर दिया है।''

सितंबर 2021 में घोषित दूरसंचार सुधारों के हिस्से के तहत सरकार ने नीलामी के माध्यम से खरीदे गए स्पेक्ट्रम के लिए बैंक गारंटी जमा करने की आवश्यकता को पहले ही हटा दिया है।

शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया तीन पैसे चढ़कर 84.47 पर

मुंबई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया शुक्रवार को सुबह के कारोबार में सपाट रुख के साथ खुला और अपने सर्वकालिक निम्नतम स्तर से तीन पैसे बढ़कर 84.47 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। भू-राजनीतिक दबावों और निरंतर विदेशी पोर्टफोलियो निकासी के कारण सकारात्मक घरेलू शेयर बाजार का समर्थन बेअसर हो गया।

विदेशी बाजार में अमेरिकी डॉलर मजबूत हुआ और ब्रेंट ऑयल में तेजी जारी रही, क्योंकि यूक्रेन और रूस के बीच लड़ाई ने निवेशकों का ध्यान आकर्षित करना जारी रखा।

इसके अलावा, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने अपने शेयर बेचना जारी रखा है और डॉलर को अच्छी बोली में रखा है।अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.48 पर खुला और एक सीमित दायरे में घूमते हुए डॉलर के मुकाबले 84.47 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से तीन पैसे की बढ़त है। बृहस्पतिवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले आठ पैसे की गिरावट के साथ 84.50 के सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ था।

> विदेशी बाजार में अमेरिकी डॉलर मजबूत हुआ और ब्रेंट ऑयल में तेजी जारी रही, क्योंकि यूक्रेन और रूस के बीच लड़ाई ने निवेशकों का ध्यान आकर्षित करना जारी रखा। इसके अलावा, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने अपने शेयर बेचना जारी रखा है और डॉलर को अच्छी बोली में रखा है।अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.48 पर खुला और एक सीमित दायरे में घूमते हुए डॉलर के मुकाबले 84.47 पर पहुंच गया.

इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 प्रतिशत की गिरावट के साथ 107.03 पर आ गया। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.23 प्रतिशत की बढ़त के साथ 74.40 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बृहस्पतिवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 5,320.68 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

सब का सपना

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा आर्यावर्त प्रिंटर्स सौम्या सदन गोकुल बिहार, अमरोहा उत्तर प्रदेश 244221 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।

संपादक : अनुज कुमार
R.N.I. No. : UPHIN/2023/86483
मोबाइल नंबर
9456884327
E-Mail :-
Officialsabkasapna@gmail.com
www.sabkasapna.com
नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।

ऋषभ पंत और हमारी विचारधारा में अंतर था : पार्थ जिंदल

नई दिल्ली

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स के सह-मालिक पार्थ जिंदल ने खुलासा किया कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मेगा नीलामी से पहले ऋषभ पंत को बनाए रखने के लिए फ्रेंचाइजी ने हर संभव कोशिश की लेकिन इस दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज के साथ टीम संचालन को लेकर प्रबंधन के विचार एक जैसे नहीं थे।

कैपिटल्स ने पंत को टीम में बरकरार नहीं रखा और बाएं हाथ के इस खिलाड़ी को हाल ही में मेगा नीलामी में लखनऊसुपर जायंट्स ने 27 करोड़ रुपये में खरीदा। वह आईपीएल इतिहास में सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए। जिंदल ने 'ईएसपीएनक्रिकइन्फो' से कहा, ''फ्रेंचाइजी के संचालन पर हमारी सोच अलग-अलग थी। यही कारण है कि यह (पंत का टीम से अलग होना) हुआ। इसका पैसे से इसका कोई लेना-देना नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''ऋषभ के लिए पैसा कभी कोई मुद्दा नहीं रहा। हमारे लिए भी पैसा कभी कोई मुद्दा नहीं था। मुझे लगता है कि हम तीनों (किरण ग्रांधी, जिंदल और पंत) की सोच एक जैसी नहीं थी।'' जिंदल ने कहा, ''उन्होंने (पंत) अंत में एक फैसला किया। हमने सब कुछ करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने आगे बढ़ने का मन बना लिया था।'' जिंदल ने मतभेद के मुद्दों पर पूछे जाने पर कहा, '' यह फ्रेंचाइजी के संचालन से जुड़ा हुआ है। हमें उनसे कुछ उम्मीदें थी और उन्हें हम से कुछ उम्मीदें थी। मैं बस इतना कह सकता हूं कि हम कुछ चीजों पर एकमत नहीं हो पाए।'' जिंदल ने कहा कि टीम प्रबंधन को एहसास हो गया था कि नीलामी से पंत को वापस खरीदना असंभव जैसा काम था।

मानवेंद्र ने दिलाई ध्रुव अकादमी को जीत, यूपी टिंबर की जीत में आतिफ चमके

लखनऊः 20वीं बाबू बनारसी दास-ए डिवीजन लीग मैच में यूपी टिंबर क्रिकेट क्लब और ध्रुव क्रिकेट अकादमी ने अपने मुकाबले जीत कर पूरे अंक बटोरे। सिंड्रा क्रिकेट अकादमी पर खेले गए मैच में पहले मानवेंद्र चौहान की घातक गेंदबाज की बदौलत ध्रुव क्रिकेट अकादमी ने ट्रम्फ क्रिकेट अकादमी को 140 रनों के बड़े अंतर से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए ध्रुव क्रिकेट अकादमी ने 40 ओवर में 7 विकेट खोकर 264 रन बनाए। राजदीप सिंह ने 95 और सागर शर्मा ने 74 रनों की पारी खेली। ट्रम्फ अकादमी की ओर से अतुल मिश्रा ने 3 विकेट चटकाये। जवाब में ट्रम्फ क्रिकेट अकादमी की टीम 31.3 ओवर में सभी विकेट खोकर 124 रन ही बना सकी। अब्दुल कासिफ ने 59 रनों की पारी खेली। ध्रुव की ओर से मानवेंद्र चौहान ने घातक गेंदबाजी की और 5 बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा। अयान चौधरी और शिवांश कपूर ने दो-दो विकेट लिये।

एक अन्य मुकाबले में आतिफ साजिद की शानदार गेंदबाजी की बदौलत यूपी टिंबर ने यार्कर क्रिकेट क्लब को 10 विकेट से रौंद दिया। डॉ. अखिलेश दास स्टेडियम पर खेले गए मैच में यार्कर क्लब ने पहले बल्लेबाजी की और 27.1 ओवर में सभी विकेट खोकर 65 रन बनाये। सार्थक दीक्षित (19 रन) और फैजानुल रहमान (18 रन) के अतिरिक्त कोई भी बल्लेबाज दहाई अंक तक नहीं पहुंच सका। पांच बल्लेबाज बिना खाता खोले ही पवेलियन लौट गये। यूपी टिंबर की ओर से आतिफ साजिद ने 8 ओवर में 2 मेडन 21 रन देकर 4 विकेट चटकाये। हसन अख्तर को 3 विकेट मिले। जवाब में यूपी टिंबर ने बिना विकेट खोये 66 रन बनाये और जीत दर्ज की।

जरूरी खबरें

पदक के करीब पहुंच कर हार जाने का दर्द आज भी है : लक्ष्य सेन

लखनऊः पेरिस ओलंपिक मेरे जीवन के यादगार लम्हों में शामिल हैं। सेमीफाइनल तक मैने बेहतरीन प्रदर्शन किया। लेकिन पदक के करीब आकर हारना बहुत ही दुखद रहा। सेमीफाइनल में डेनमार्क के विक्टर एक्सलसेन हार जाना आज भी खलता है। यह कहना है देश के नंबर एक शटलर लक्ष्य सेन का। उन्होंने सैयद मोदी बैडमिंटन में पहले दौर में आसान जीत दर्ज की। आज बातचीत में उन्होंने बताया कि पेरिस ओलंपिक में मिली हार को मैंने सबक के तौर पर लिया है।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक (जुलाई- 2028) में अभी काफी समय है। उसके लिये कड़ी मेहनत कर रहा हूं। अपनी खामियों को दूर करने की कोशिश में जुटा हूं। अगले ओलंपिक में अगर पदक के करीब पहुंचा तो कोई गलती नहीं करुंगा। उन्होंने कहा कि लखनऊमें खेलना हमेशा से अच्छा लगता है। वर्ष 2018 के बाद सैयद मोदी में कोई भी भारतीय अभी तक चैंपियन नहीं बना है। यहां खिताब जीतने की इच्छा तो है, लेकिन इसके लिये लंबा सफर तय कर करना है। अभी कुछ नहीं कह सकता। उन्होंने कहा कि बैडमिंटन खेलने के लिए यह समय शानदार है। साथ ही यहां का खाना मुझे बेहद पसंद है। जब भी लखनऊमें आकर खेलने का मौका मिलता है तो इसे नहीं चूकता हूं।

मीराबाई चानू रिहैब जारी रखने के लिए विश्व चैंपियनशिप में नहीं लेंगी हिस्सा

नई दिल्ली

टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता मीराबाई चानू अगले सप्ताह बहरीन के मनामा में होने वाली भारोत्तोलन विश्व चैंपियनशिप में नहीं खेल पायेंगी क्योंकि वह अपना 'रिहैबिलिटेशन' जारी रखेंगी। पूर्व विश्व चैंपियन मीराबाई (30 वर्ष) ने अगस्त में पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की 49 किग्रा श्रेणी में चौथे स्थान पर रहने के बाद से किसी प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया है।

मुख्य राष्ट्रीय कोच विजय शर्मा ने बताया, पेरिस ओलंपिक के बाद मीरा अभी भी रिहैबिलिटेशन में हैं। वह इस विश्व चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं लेगी। पिछले साल एशियाई खेलों में कूल्हे की चोट लगने के बाद मीराबाई की फिटनेस को लेकर पेरिस ओलंपिक के दौरान भी चर्चा होती रही।

एशियाई खेलों में पदक जीतने का उनका सपना पिछले साल टूट गया था क्योंकि वह सिर्फ यही ट्रॉफी नहीं जीत पाई हैं। शर्मा ने कहा, उसके लिए स्वस्थ होना अहम है क्योंकि हमें 2026 राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों की तैयारी शुरू करनी होगी।

चानू की अनुपस्थिति में राष्ट्रमंडल चैम्पियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता ज्ञानेश्वरी यादव छह दिसंबर से शुरू होने वाली विश्व चैम्पियनशिप में भारतीय चुनौती का नेतृत्व करेंगी। ज्ञानेश्वरी (21 वर्ष) 49 किलो वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी।

राष्ट्रमंडल खेलों की रजत पदक विजेता बिंदियारानी देवी (55 किग्रा) और राष्ट्रीय चैम्पियनशिप और खेलो इंडिया भारोत्तोलन लीग की स्वर्ण विजेता दितिमोनी सोनोवाल (64 किग्रा) अन्य दो भारतीय भारोत्तोलक हैं जो विश्व प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी। तीनों पटियाला में राष्ट्रीय शिविर का हिस्सा हैं और अगले सप्ताह बहरीन के लिए रवाना होंगी।

खराब फॉर्म में चल रहे बल्लेबाजों को अभ्यास मैच में नहीं उतारेगा ऑस्ट्रेलिया

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई चयनकर्ताओं ने पर्थ टेस्ट में हार के बाद राष्ट्रीय टीम के खराब फॉर्म में चल रहे किसी भी बल्लेबाज को कैनबरा में भारत के खिलाफ प्रधानमंत्री एकादश की टीम में शामिल नहीं करने का फैसला किया है। भारत ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया को 295 रन से हराया था।

इसके बाद उसके शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर एडिलेड में छह दिसंबर से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट मैच से पहले दबाव बढ़ गया है। मार्नस लाबुशेन (02, 03) और स्टीव स्मिथ (00, 17) जैसे बल्लेबाज पहले टेस्ट मैच में रन बनाने के लिए संघर्ष करते हुए नजर आए। इसके बाद पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क सहित कई पूर्व खिलाड़ियों ने एडिलेड में दिन रात्रि टेस्ट मैच से पहले जोश इंग्लिश सहित इन खिलाड़ियों को अभ्यास मैच में उतारने की अपील की थी। लेकिन ऑस्ट्रेलिया के टीम प्रबंधन ने इस तरह की अपील को खारिज कर दिया। सिडनी मार्निंग हेराल्ड की रिपोर्ट के अनुसार, ऐसा फैसला इसलिए किया गया है क्योंकि खिलाड़ियों के लिए अपने घर में समय बिताना महत्वपूर्ण है और इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया की टीम भारत को पांच मैच की श्रृंखला के अगले मैच से पहले उनके टेस्ट बल्लेबाजों का आकलन करने का मौका नहीं देना चाहती है।'' ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने भी कहा कि वह कैनबरा में होने वाले अभ्यास मैच के लिए टेस्ट टीम के किसी खिलाड़ी को नहीं भेजना चाहते हैं। मैकडोनाल्ड ने कहा, नहीं हमारे दिमाग में ऐसी बात नहीं आई है। हमें लगता है कि गर्मियों के व्यस्त सत्र के लिए हमने अच्छी तैयारी की है। एडिलेड टेस्ट मैच के लिए हम अच्छी तैयारी करेंगे। होने से पहले केवल शुरुआती टेस्ट मैच के बारे में सोच रहे थे।

बेन स्टोक्स ने कहा- इंग्लैंड की तरफ से करियर लंबा खींचना चाहता हूं

नई दिल्ली

आईपीएल नीलामी में भाग नहीं लेने पर बेन स्टोक्स ने कहा- इंग्लैंड की तरफ से करियर लंबा खींचना चाहता हूं

ऋइस्टचर्च। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा कि उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को लंबा खींचने और एशेज जैसी महत्वपूर्ण प्रतियोगिताओं पर ध्यान केंद्रित करने के लिए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की हाल में संपन्न मेगा नीलामी से बाहर होने का फैसला किया।

स्टोक्स भविष्य में आईपीएल की मिनी नीलामी में भी हिस्सा नहीं ले पाएंगे क्योंकि इस लीग के नए नियमों के अनुसार जिस खिलाड़ी ने खुद का मेगा नीलामी के लिए पंजीकरण नहीं किया हो वह खिलाड़ी मिनी नीलामी में भी भाग नहीं ले सकता है। हाल में सउदी अरब के जेद्दा में हुई नीलामी में इंग्लैंड के कुल 52 खिलाड़ियों पर बोली लगी थी।

स्टोक्स ने न्यूजीलैंड के खिलाफ गुरुवार से शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच की पूर्व संध्या पर बीबीसी से कहा, यह बात किसी से छुपी नहीं है कि मैं अपने करियर के आखिरी पड़ाव पर हूं। यह इस पर विचार करने का समय है कि मैंने क्या हासिल किया और मुझे ऐसा क्या करना चाहिए ताकि मैं अपने करियर को यथासंभव लंबे समय तक लम्बा खींच सकूं। उन्होंने कहा, अभी बहुत क्रिकेट बची है। मैं जब तक संभव हो इंग्लैंड की तरफ से खेलना चाहता हूं। स्टोक्स अतीत में चेन्नई सुपर किंग्स, राजस्थान रॉयल्स और राइजिंग पुणे सुपरजायंट की तरफ से आईपीएल में खेल चुके हैं।

यशस्वी जायसवाल ने कहा-अतीत के संघर्षों ने हर हालात का सामना करने का आत्मविश्वास दिया

नई दिल्ली

पर्थ। क्रिकेट खेलने का सपना पूरा करने के लिए उत्तर प्रदेश से 11 बरस की उम्र में ट्रेन पकड़कर मुंबई पहुंचे यशस्वी जायसवाल मैदानकर्मियों के साथ टेंट में रहे और रात को पानी पुरी बेचकर अपना गुजारा चलाया लेकिन अतीत के इन संघर्षों ने उन्हें मैदान के भीतर और बाहर हर लड़ाई के लिए तैयार कर दिया। कारपेट बनाने के लिए मशहूर भदोही से ऑस्ट्रेलिया के पर्थ तक जायसवाल का सफर उनकी लगन, प्रतिबद्धता और जिजीविषा की कहानी कहता है। इन संघर्षों से मिले अनुभव का इस्तेमाल वह मैदान के भीतर और बाहर की हर लड़ाई जीतने के लिये कर रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यहां पहले टेस्ट में शानदार शतक जमाने वाले जायसवाल को विराट कोहली के बाद भारतीय बल्लेबाजी का अगला सितारा माना जा रहा है। जायसवाल ने आस्ट्रेलियाई टीवी प्रसारक मार्क हॉवर्ड से कहा, यह ऐसी चीज है (अपनी कहानी) जो मुझे आत्मविश्वास देती है कि मैं किसी भी स्थिति से बाहर निकल सकता है । मैं हमेशा संघर्ष का सामना करने को तैयार रहता हूं ।

बोले बजरंग पूनिया, महिला पहलवानों के साथ खड़े होने के कारण ही प्रतिबंध की कार्रवाई

नई दिल्ली

चंडीगढ़। पहलवान और कांग्रेस नेता बजरंग पुनिया ने गुरुवार को अपना यह आरोप दोहराया कि उन्हें चार साल के लिये प्रतिबंधित करने का कारण उनका महिला पहलवानों के आंदोलन में शामिल होना है।

पुनिया ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर अपना एक साल पुराना वीडियो साझा करते हुये लिखा, मुझ पर बैन भले ही अब लगाया गया है। लेकिन नाडा (राष्ट्रीय डोप विरोधी एजंसी) इसकी साजशि एक साल पहले से रच रहा था।

महिला पहलवानों के आंदोलन के बाद से ही मुझे फंसाने के बहाने फेडरेशन, बृजभूषण और भाजपा सरकार ढूंढ रहे थे।

इन्होंने ही स्क्रिप्ट लिखी। लेकिन इस कृत्य में मोहरा नाडा को बनाया गया।

वीडियो के बारे में उन्होंने बताया है कि वीडियो एक साल पहले 13 दिसंबर का है, जब नाडा ने अपने 'आकाओं' के इशारे पर डीसीओ (डोपिंग नियंत्रण अधिकारी) को एक्सपायर्ड किट लेकर उनका डोप टेस्ट करने के लिये भेजा था।

इससे पूर्व बुधवार को उन्होंने एक वीडियो संदेश जारी कर उनके खिलाफ चार साल के प्रतिबंध की कार्रवाई को उनके खिलाफ व्यक्तिगत द्वेष और राजनीतिक साजिश का परिणाम बताया था। उन्होंने कहा कि वह इसके खिलाफ अंत तक लड़ाई लड़ेंगे। मंगलवार को पुनिया को चार साल के लि कुश्ती से प्रतिबंधित करने की घोषणा की गयी थी।

वेंकटेश अय्यर को टीम में रखना हमारी प्राथमिकता में शामिल था इसलिए पूरा जोर लगा दिया : ड्वेन ब्रावो

जेद्दा। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मेंटर (मार्गदर्शक) और वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो ने आईपीएल खिताब जीतने वाली टीम के 'मुख्य खिलाड़ियों' को बरकरार रखने के इरादे से वेंकटेश अय्यर को अपने साथ जोड़ने के लिए 'पूरी ताकत लगाने' की टीम की रणनीति का बचाव किया है। केकेआर के लिए कप्तानी के संभावित दावेदार के रूप में देखे जाने वाले वेंकटेश को टीम के साथ जोड़ने ने आलोचनाओं को जन्म दिया है कि अगर उन्हें नेतृत्व दिया जाना टीम प्रबंधन की योजना का हिस्सा था तो उन्हें रिटेन (टीम के साथ बरकरार रखना) क्यों नहीं किया गया।

चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के साथ चार आईपीएल खिताब जीतने वाले ब्रावो ने कहा,''वैंकी (वेंकटेश अय्यर) को जोड़ना हमारे लिए मुख्य प्राथमिकताओं में से एक था, जैसा कि आप देख सकते हैं हमने उसके लिए पूरा जोर लगा दिया।'' उन्होंने कहा, ''यह अच्छा है हमारे पास चैंपियनशिप जीतने वाली टीम के 90 प्रतिशत खिलाड़ी हैं। आप अपने मुख्य खिलाड़ियों को बरकरार रखें, संयोजन तैयार करना काफी जटिल होता है। भारत के लिए नौ टी20 अंतरराष्ट्रीय और दो एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय खेलने वाले मध्य प्रदेश के 29 वर्षीय ऑलराउंडर वेंकटेश को केकेआर ने 23.75 करोड़ रुपये में खरीदा।

बॉलीवुड तड़का

एआर रहमान के साथ नाम जुड़ने पर मोहिनी डे बोलीं– 'झूठे दावे बंद करें'

नई दिल्ली। गिटार वादक मोहिनी डे ने एआर रहमान के साथ उनका नाम जुड़ने संबंधी अफवाहों का खंडन करते हुए मीडिया से अनुरोध किया कि पूर्व पति मार्क हार्टसच से अलगाव के बीच वह उनके साथ उदारता बरते। मोहिनी डे ने पूर्व में रहमान के साथ काम किया है और वह दिग्गद संगीतकार को अपना आदर्श मानती हैं। रहमान ने पिछले सप्ताह एक बयान जारी कर अपनी पत्नी सायरा बानू के साथ 29 वर्ष के वैवाहिक संबंध को खत्म करने की जानकारी साझा की थी, जिसके कुछ घंटों बाद ही मोहिनी ने भी हार्टसच से अलग होने की घोषणा की। मोहिनी बास गिटार वादक के साथ–साथ संगीतकार भी हैं।

रहमान (57) और मोहिनी (28) के एक साथ अपने जीवनसाथी से अलग होने की घोषणा के बाद सोशल मीडिया पर कई लोगों ने दोनों के बीच रिश्ता होने की बात कही थी। मोहिनी ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में इस दावे को दरकिनार कर दिया। उन्होंने कहा, ₹मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि मेरे और रहमान के खिलाफ इतनी सारी गलत सूचनाएं और निराधार दावे किये जा रहे हैं। मोहिनी ने कहा, मैंने बचपन से एआर रहमान के साथ काम किया है, जिनका मैं सम्मान करती हूं। मैंने उनके साथ फिल्मों, कई संगीत समारोह आदि में साढ़े आठ वर्ष काम किया। कृपया झूठे दावे करना बंद करें और हमारी निजता का सम्मान करें। रहमान ने बानू से अलगाव के बारे में अटकलें लगाने वाले लोगों को चेतावनी जारी की थी, जिसके कुछ दिनों बाद मोहिनी ने यह पोस्ट किया। मोहिनी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया और कहा कि वह रहमान को पिता तुल्य मानती हैं। उन्होंने कहा, मेरे जीवन में बहुत से लोग मेरे पिता समान, आदर्श रहे हैं और मैं वास्तव में भाग्यशाली व आभारी हूं कि उन्होंने मुझे मेरे करियर में आगे बढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एआर रहमान उनमें से एक हैं। मैं उनका बहुत सम्मान करती हूं। वह मेरे पिता जैसे हैं। मोहिनी ने कहा, वह मेरे पिता से उम्र में थोड़े छोटे हैं। मुझे लगता है कि उनकी बेटी बिल्कुल मेरी उम्र की है। हम एक–दूसरे का बहुत सम्मान करते हैं। संक्षेप में कहूं तो कृपया हमारी निजता का सम्मान करें। यह एक निजी और दर्दभरा मामला है,इसलिए मेहरबानी कर उदारता बरतें।

शाहिद कपूर की फिल्म 'देवा' 31 जनवरी को और विक्की कौशल की 'छावा' फरवरी में होगी रिलीज

नई दिल्ली। फिल्म अभिनेता शाहिद कपूर की आगामी फिल्म 'देवा' अब अपने निर्धारित समय से दो सप्ताह पहले 31 जनवरी को ही सिनेमाघरों में रिलीज हो जाएगी। निर्माताओं ने यह घोषणा की है। पहले 'देवा' 14 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होनी थी और अब उसकी जगह पर विक्की कौशल की फिल्म 'छावा' उस दिन रिलीज होगी। पूजा हेगड़े अभिनीत 'देवा' का निर्माण जी स्टूडियो के सहयोग से सिद्धार्थ रॉय कपूर की रॉय कपूर फिल्म्स ने किया है।

जी स्टूडियो ने सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर पोस्ट किया, ''इंतजार अब कम हो गया है, देवा अब 31 जनवरी को आने वाली है..।'' 'देवा' फिल्म का निर्देशन 'सैल्यूट' और 'कायमकुलम कोचुन्नी' जैसी मलयालम फिल्मों के लिए मशहूर रोशन एंड्रयूज ने किया है। फिल्म में कपूर, एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रहे हैं, जबकि हेगड़े एक पत्रकार की भूमिका में नजर आएंगी।<

इसमें अभिनेता पावेल गुलाटी भी महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। कौशल की फिल्म 'छावा' में वह मराठा सम्राट छत्रपति संभाजी महाराज की भूमिका निभाएंगे। पहले यह फिल्म छह दिसंबर को रिलीज होने वाली थी। 'छावा' फिल्म में रश्मिका मंदाना और अक्षय खन्ना भी हैं। फिल्म का निर्देशन लक्ष्मण उटेकर ने किया है और निर्माण मैडॉक फिल्म्स के दिनेश विजन ने किया है।

समस्या का डटकर सामना करें...

महिलाओं के खिलाफ हिंसा को लेकर ऐश्वर्या राय बच्चन का संदेश

नई दिल्ली। अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन ने 'महिलाओं के खिलाफ हिंसा के उन्मूलन के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस' के अवसर पर सड़कों पर महिलाओं के उत्पीड़न के मुद्दे पर ध्यान केंद्रित करते हुए महिलाओं से आग्रह किया कि वे कभी भी अपने मूल्यों से समझौता न करें और समस्या का हिम्मत से सामना करें। ऐश्वर्या ने सोमवार को एक सौंदर्य उत्पाद के लिए सड़क पर उत्पीड़न के खिलाफ प्रशिक्षण कार्यक्रम के एक भाग के रूप में अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट किया।

उन्होंने कहा, 'महिलाओं के खिलाफ हिंसा के उन्मूलन के लिए इस अंतरराष्ट्रीय दिवस पर सड़क पर उत्पीड़न के खिलाफ इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल हों। हम सभी इस योग्य हैं। ऐश्वर्या (51) को वीडियो में यह कहते हुए सुना जा सकता है कि महिलाएं सड़क पर उत्पीड़न के लिए जिम्मेदार नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'सड़क पर उत्पीड़न, आप इससे कैसे निपटते हैं? आंख में आंख डालने से बचें? नहीं। समस्या को सीधे आंखों में आंखें डालकर देखें, अपना सिर उंचा रखें।' ऐश्वर्या को आखिरी बार मणिरत्नम द्वारा निर्देशित तमिल फिल्म 'पोन्नियन सेल्वनः 2' में देखा गया था।

> ऐश्वर्या राय बच्चन ने 'महिलाओं के खिलाफ हिंसा के उन्मूलन के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस' के अवसर पर सड़कों पर महिलाओं के उत्पीड़न के मुद्दे पर ध्यान केंद्रित करते हुए महिलाओं से आग्रह किया कि वे कभी भी अपने मूल्यों से समझौता न करें और समस्या का हिम्मत से सामना करें। ऐश्वर्या ने सोमवार को एक सौंदर्य उत्पाद के लिए सड़क पर उत्पीड़न के खिलाफ प्रशिक्षण कार्यक्रम के एक भाग के रूप में अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट किया।

फिल्म 'बेबी जॉन' का गाना 'नैन मटक्का' रिलीज, वरुण धवन बोले–एक वाइब बहुत अच्छा....

मुंबई। बॉलीवुड के चॉकलेटी हीरो वरुण धवन की आने वाली फिल्म 'बेबी जॉन' का गाना 'नैन मटक्का' रिलीज हो गया है। नैन मटक्का गाने को सुप्रसिद्ध पंजाबी गायक दिलजीत दोसांझ ने गाया है। वरुण धवन ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर इस ट्रैक को साझा किया।, उन्होंने गाने का वीडियो साझा करते हुए लिखा, एक वाइब बहुत अच्छा, यह आपको डांस करने पर मजबूर कर देगा, बेबी! यह ट्रैक वरुण और कीर्ति सुरेश के बीच शानदार केमिस्ट्री और दिलजीत और धीक्षिता वेंकदेशन उर्फ धी की मजेदार आवाज का परफेक्ट मिश्रण है।<हाल ही में 'बेबी जॉन' के निर्माताओं ने फिल्म का टीजर रिलीज़ किया था। टीजर में वरुण धवन एक पुलिस अधिकारी और एकल पिता की भूमिका निभाते नजर आ रहे हैं। वह एक ऐसे चरित्र को चित्रित करते हैं जो विरोधियों का डटकर मुकाबला करने से नहीं डरता। एक दृश्य में, वह घोषणा करते हैं, मेरे जैसे बोहत आये होंगे, लेकिन मैं पहली बार आया हूं। टीज़र में कीर्ति सुरेश को मुख्य महिला के रूप में पेश किया गया है और अभिनेता जैकी श्रॉफ को प्रतिपक्षी के रूप में एक संक्षिप्त लेकिन प्रभावशाली भूमिका में दिखाया गया है।

रणबीर कपूर ने संजय लीला भंसाली को बताया 'गॉडफादर', 17 साल बाद फिर आएंगे साथ नजर

मुंबई। बॉलीवुड के रॉकस्टार रणबीर कपूर ने फिल्मकार संजय लीला भंसाली को 'गॉडफादर' बताया है। संजय लीला भंसाली अपनी अगली फिल्म लव एंड वॉर की तैयारी कर रहे हैं, जिसमें रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल लीड रोल्स में हैं। इस फिल्म के जरिए भंसाली और रणबीर कपूर 17 साल बाद फिर से साथ नजर आएंगे। फैंस को उनका यह नया सहयोग देखने का बेसब्री से इंतजार है। रणबीर कपूर ने भी भंसाली के साथ काम करने को लेकर अपनी राय जाहिर की है। हाल ही में 55वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में रणबीर कपूर ने कहा है, मैं बेहद उत्साहित हूं। वह मेरे गॉडफादर हैं। फिल्मों के बारे में मैं जो कुछ भी जानता हूं, अभिनय के बारे में जो कुछ भी जानता हूं, वह सब मैंने उनसे सीखा है। वह बिल्कुल नहीं बदले हैं। वह बेहद मेहनती हैं। वह सिर्फ अपनी फिल्मों के बारे में सोचते हैं।

पति ने लीक की बेडरूम वीडियो–फोटो, जानें नीरू कैसे बनी राखी

जैसे ही ड्रामा क्वीन का नाम लिया जाता है तो सब समझ जाते हैं कि बात राखी सावंत की हो रही है। एक्ट्रेस अपने काम से ज्यादा अपने विवादों की वजह से खबरों में छाई रहती हैं।

वो अच्छे से इस बात को जानती हैं कि आखिर लाइमलाइट में कैसे बने रह सकते हैं और इसका वो भरपूर फायदा भी उठाती हैं। आज राखी एक जाना पहचाना नाम है, लेकिन यहां तक आने के लिए उन्हें काफी संघर्ष भी करना पड़ा है। एक्ट्रेस ने अपनी स्ट्रगल लाइफ के बारे में कई बार बात की है। आइए आज हम भी राखी के बर्थडे के मौके पर उनके बारे में कुछ जान लेते हैं।

> राखी आदिल के लिए हिंदू से मुस्लिम बनी लेकिन आदिल ने उसी का फायदा उठाया। एक्ट्रेस ने एत इंटरव्यू में बताया था कि आदिल वो इंसान है जो किसी भी लड़की संग 6 महीने से ज्यादा नही रह सकता। वही उसने ये भी आरोप लगाया कि आदिल ने उसकी बेडरूम वाली वीडियो और फोटो लीक कवराई जिससे उसकी काफी बदनामी हुई।

क्या है राखी का असली नाम

एक्ट्रेस इंडस्ट्री में राखी सावंत के नाम से ही फेमस हैं। लेकिन ये उनका असली नाम नहीं है। दरअसल उनका असली नाम नीरू भेड़ा है जो उनके पेरेंट्स ने रखा था। लेकिन उन्होंने इंडस्ट्री में राखी सावंत के नाम से अपनी पहचान बनाई। सावंत उनके दूसरे पिता का नाम था जिससे उनकी मां ने शादी की थी। फिर क्या था नीरू भेड़ा बन गईं राखी सावंत अगर उनके परिवार की बात करें तो वो बहुत गरीब थीं, और मुश्किल से उनके घर का गुजारा चलता था।

इंडस्ट्री के काले सच को किया उजागर: राखी सावंत ने एक पॉडकास्ट में खुद इंडस्ट्री के काले सच को उजागर किया। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री में रेप जबरन नहीं होते बल्कि सहमति से होते हैं। उन्होंने कहा कि लड़कियां खुद गंदे से कपड़े पहनकर आती हैं और अपनी बॉडी का प्रदर्शन करती हैं। काम के बदले वो खुद डायरेक्टर के संग संबंध बनाती हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि उससे भी डायरेक्ट ने काम के बदले गंदी डिमांड की थी, हालांकि कई बार उसे उनके सामने हार माननी पड़ी।

धर्म बदल रचाई दूसरी शादी : राखी सावंत अपनी पर्सनल लाइफ की वजह से खबरों में छाई रहती हैं। एक्ट्रेस ने पहली शादी बिग बॉस 15 लोगों को अपने पति रितेश से सभी को मिलाया जिसे जान सभी हैरान हो गए। एक्ट्रेस का ये रिश्ता ज्यादा न चला और दोनों अलग हो गए। इसके बाद राखी ने हिंदू से मुस्लिम बन आदिल खान दुर्रानी संग गुपचुप निकाह किया।

जिसके लिए बदला धर्म उसी ने किया बदनाम : राखी आदिल के लिए हिंदू से मुस्लिम बनीं लेकिन आदिल ने उसी का फायदा उठाया। एक्ट्रेस ने एत इंटरव्यू में बताया था कि आदिल वो इंसान है जो किसी भी लड़की संग 6 महीने से ज्यादा नहीं रह सकता। वहीं उसने ये भी आरोप लगाया कि आदिल ने उसकी बेडरूम वाली वीडियो और फोटो लीक कवराई जिससे उसकी काफी बदनामी हुई।